मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 1 अप्रैल 2025

संवत 2082, चैत्र शुक्लपक्ष 3 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 206 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ प्लेसमेंट औन पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

रश्मिका मंदाना के जमीन पर नहीं पड़ रहे पांव! ◂◂ 6

साहिबगंज में दो मालगाड़ियों के बीच भीषण टक्कर

दो लोको पायलट की मौत, चार घायल

संवाददाता

साहिबगंज: बरहेट में एनटीपीसी फाटक के पास दो मालगाड़ियों के बीच आपस में जोरदार टक्कर हो गई। घटना में दो लोको पायलट की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए हैं। वहीं, एक कर्मी के फंसे होने की सूचना है।

मृतकों में बोकारो जिला के सेक्टर नौ निवासी 32 वर्षीय अंबुज महतो और पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के जियागंज निवासी ज्ञानेश्वर माल शामिल हैं। घायलों में 32 वर्षीय जितेंद्र कुमार, 45 वर्षीय उदय मंडल, 55 वर्षीय राम घोष और 48 वर्षीय टीके नाथ शामिल हैं। साहिबगंज मुख्यालय

से पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मी रवि ने बताया कि घटना सुबह 3:30 बजे की है। एक मालगाड़ी पटरी पर खड़ी थी। इस दौरान दूसरी तरफ से आ रही मालगाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे इंजन व कोयला लोड बोगी में आग लग गई। आग बुझाने का कार्य जारी है। वहीं, दो इंजन पटरी से नीचे उतर गया और इंजन पूरी करह से क्षतिग्रस्त हो गया।

फायर ब्रिगेड के कर्मी ने बताया कि इंजन में सात लोग सवार थे, जिसमें दो लोको पायलट की मौत और चार लोग घायल हो गए हैं। जबकि एक कर्मी इंजन में फंसा हुआ है, जिसे बाहर निकालने की कोशिश जारी है। सभी को बरहेट सदर अस्पताल ले जाया गया है। जहां घायलों की इलाज जारी है, जिसमें कुछ की हालत गंभीर है।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही रेल प्रशासन भी मौके पर पहुंच गए। बरहेट पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच जानकारी हासिल करने में जुटी हुई है। गौरतलब है कि पहले भी एनटीपीसी के एस रेल पटरी पर घटना घट चुकी है। हाल में कुछ आपराधिक तत्वों के द्वारा बम विस्फोट कर रेल पटरी को उड़ा दिया था, जिससे कोयल लदी गाड़ी पटरी से नीचे उतर गया था।

सिरम टोली रैंप हटाने को लेकर बढ़ता विवाद

गीताश्री उरांव समेत 21 पर नामजद प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

रांचीः राजधानी में सिरम टोली के पास फ्लाईओवर के रैंप को सरना स्थल के सामने से पूरी तरह हटाने की मांग को लेकर 30 मार्च यानी रविवार को पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव के नेतृत्व में हुए विरोध मार्च और पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने के मामले में चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई है। फिलहाल घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। इसमें रैपिड एक्शन फोर्स के जवान भी शामिल है। यह जानकारी चुटिया थाना प्रभारी ने दी है।

इनपर हुई है नामजद प्राथमिकी : सरना स्थल की सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात दंडाधिकारी के आवेदन पर पूर्व मंत्री गीता श्री उरांव, शनि हेंब्रम, मधु रजक, कुंदरसी मुंडा, निरंजना हेरेंज, मनोज कुमार महतो, पवन तिर्की, रवि मुंडा, राहुल तिर्की, आकाश तिर्की, अजय टोप्पो, प्रदीप बेक, राजेश कछाप, बाहा मरांडी, आशीष, राकेश बड़ाइक, विकास मुंडा, नमीत हेंब्रम , चंपा कुजूर, सुनीता मुंडा समेत 21 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज हुई है।

इसमें 150 से ज्यादा अज्ञात का भी जिक्र है। अज्ञात की पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा रही है। प्राथमिकी में इस बात का जिक्र है कि जबरन बैरिकेडिंग तोड़ी गई। जवान की राइफल छीनने की कोशिश की गई। पुलिस के साथ धक्का मुक्की की गई। सरकारी काम में बाधा डाला गया। पुलिस के साथ बदसलूकी भी की गई।

सरहुल महापर्व शुरू, भव्य शोभायात्रा आज शाम में निकलेगी

रांची : झारखंड के आदिवासियों का महापर्व सरहुल शुरू हो गया है। 3 दिवसीय प्रकृति पर्व सरहुल उपवास के साथ सोमवार को राजधानी रांची समेत समूचे झारखंड में शुरू हुआ। दूसरे दिन यानी आज मंगलवार को शोभायात्रा निकलेगी। इससे पहले नये साल की शुरूआत के उत्सव सरहुल के पहले दिन राजधानी रांची में हातमा सरना समिति के पुजारी जगलाल पाहन ने सोमवार सुबह हातमा तालाब में जाकर मछली और केकड़ा पकड़ा। दूसरे दिन 1 अप्रैल (मंगलवार) को सरहुल की शोभायात्रा निकलेगी। शोभायात्रा सिरमटोली के सरना स्थल तक जायेगी। बुधवार को फूलखोसी के साथ इस महापर्व का समापन होगा।

रांची में हातमा से निकलेगी पहली शोभायात्रा : राजधानी रांची में मंगलवार को सरहुल की पहली शोभायात्रा हातमा से निकलेगी। इसके बाद शहर के बाकी क्षेत्रों से सरना समितियों की ओर से शोभायात्रा निकाली जायेगी। सभी शोभायात्रा सिरमटोली स्थित केंद्रीय सरना स्थल पर पहुंचेगी और परिक्रमा के बाद वापस अपने-अपने इलाकों में लौट जायेगी।

पहले दिन पाहन ने मछली और केकड़ा पकड़े : जगलाल वाहन ने हातमा तालाब से मछली और केकड़ा को पकड़ा। उन्होंने केकड़ा को रसोईघर में चूल्हे के ऊपर टांग दिया है। कुछ महीने बाद जब खोतों में हल चलाये जायेंगे, तो इस केकड़े का चूर्ण बनाकर उसे खेतों में छींट दिया जायेगा।

अच्छी बारिश की कामना की : सरहुल के पहले दिन सोमवार को लोगों ने उपवास रखा। प्रकृति के देवताओं और अपने पूर्वजों से अच्छी फसल के लिए बारिश की प्रार्थना की। देर शाम जगलाल पाहन ने हातमा स्थित सरना स्थल में जलरखाई पूजा की। इसके लिए उन्होंने नये घड़े में तालाब से लाये गये पानी को भरा। मंगलवार को इसी घड़े को देखकर बारिश की भविष्यवाणी की जायेगी।

न्यूज ब्रीफ

संगठन चुनाव को लेकर भाजपा की आयोजित बैठक संपन्न

दुमका : भारतीय जनता पार्टी जिला दुमका में संगठन चुनाव को लेकर जिला संगठन चुनाव प्रभारी शैलेन्द्र कुमार सिंह सोमवार को एकदिवसीय प्रवास पर दुमका आए ,और दुमका प्रवास पर पिछले दिनों मंडल अध्यक्ष की रायशुमारी हुई थी उसकी मंडल अध्यक्ष पैनल का रिपोर्ट मंडल चुनाव अधिकारीगण से सील बंद लिफाफे में प्राप्त किया जो प्रदेश चुनाव समिति को सौपेंगे।श्री सिंह ने कहा पार्टी के निदेर्शानुसार ही मेरे दोनों सहयोगी जिला सह चुनाव अधिकारी सुरेश मुर्मू एंव बबलु मंडल के साथ विधिवत रूप से पारदर्शी तरीके से सभी के राय मशवरा नाम लिया गया है तथा उसी आधार योग्य व्यक्ति का चयन कर मजबूत संगठन का निर्माण किया जाएगा।मौके पर पार्टी के जिलाध्यक्ष गौरव कांत प्रसाद, पूर्व लोकसभा सांसद सुनील सोरेन, प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा,निवास मंडल, अमरेंद्र सिंह,परितोष सोरेन,मनोज साह,रघुनाथ दत्ता, लक्ष्मी नारायण सिंह, विवेकानंद राय,धर्मेंद्र सिंह, डॉ। अंजुला मुर्मू,अनुज आर्य,भृगुनाथ यादव,दीपक स्वर्णकार,रूपेश मंडल,सुजीत यदुवंशी, दीप्तांशु कोचग्वे, सहित अन्य मौजूद थे।

सरहुल में पाहन की पैर पुजा की परम्परा

मुरी : आज पिस्का पंचायत के पिस्का में सरहुल को लेकर पाहन दुर्गा चरण मांझी को डोर टू डोर महिलाओं ने कांसे की थाली में पैर रख कर पानी से धोया गया ,जो काफी पुरानी रीत रिवाज है जो आज भी कायम है, दुसरी तरफ पैर को पानी से धोने के बाद महिला के उपर जो मजाक का रिश्ता लगता है उसके उपर लोटे से पानी को डाला गया,पानी देने की पीछे गांव वालों की मानना है कि इस साल भरपूर बर्षा होगी।इसी गांव के रहने वाले रामाकांत मांझी ने बताया कि आज सरना स्थल पर पुजा पाठ के उपरांत लाल, काली, चितकबरी मुर्गी का बलि दिया गया। सरहुल पूजा से इस साल वर्षा होने का अनुमान भी लगाया गया। गांव के लोग जुलूस के साथ मुख्य अखाड़ा लुपुंग सरना पहुंचे, जहां क्षेत्र के विभिन्न जगहों के रहने वाले आदिवासी भाई बहन एक दुसरे से मिले और पारंपरिक नृत्य में भाग लिए। मुख्य अखाड़ा में मिलने का उद्देश्य सभी के बीच एकता, सद्भावना और प्रेम बना रहे।सरहुल को लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में सरहुल गीत की गूंज से पूरा वातावरण सरहुल मय हो गया है।

ट्रक की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

कोडरमा : थाना क्षेत्र अंतर्गत जयनगर रोड के समीप राजेंद्र चौक पर अहले सुबह हुई सड़क दुर्घटना में रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई वहीं एक व्यक्ति घायल हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक मोटरसाइकिल सवार पुरनानगर से कोडरमा आने के क्रम में पुरनानगर निवासी दुर्गा पासवान तेज रफ्तार ट्रक (बीआर 01 जीबी 3100) के चपेट में आ जाने से दर्दनाक मौत हो गई। वही एक अन्य घायल बाइक सवार की पहचान रतन पांडे बेकोबार निवासी के रूप में हुई है। वहीं घटना को लेकर आक्रोशित लोगों ने कोडरमा गिरिडीह मुख्य मार्ग घंटों सड़क जाम रखा। घटना की सूचना पर मौके पर कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार अपने दल -बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को समझा बुझाकर जाम खुलवाया। घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। बता दें कि जिले में ओवर स्पीड से लगातार सड़क दुर्घटना में इजाफा हो रहा है। ओर बेकसूरों की जान जा रही है।

सरहुल को लेकर मुरी -सिल्ली के अखाड़ा में सखुआ पेड़ की पारम्परिक पूजा अर्चना

मुरी : आज मोदी डीह,खपचाबेडा, पिस्का में सरहुल पूजा तैयारी गांव के सरना स्थल पर की गई, जहां दर्जनों सरना झंडा को विधान के साथ गडा गया।जय सरना,जय धर्मेश,जय धरतियायो की जय कारा लगाया गया।पाहन प्राण मुंडा ने विधिवत रूप से सखुआ पेड़ की पूजा पाठ को सम्पन्न कराया गया,लाल मुर्गा बलि के रूप में चढ़ाया गया। पेड़ के नीचे कांसा की थाली में चुडा गुड़,फुला चना, सिंदूर प्रसाद के रूप में चढ़ाया गया।मुखिया लालू राम उरांव ने सरहुल पर्व पर सभी पंचायत के साथ झारखंड वासी को शुभकामनाएं दी और कहा कि हम आदिवासी का जीवन प्राकृतिक से जुड़ा हुआ है इसके संरक्षण से हमारा अस्तित्व है। अस्तित्व बचाने हेतु प्राकृतिक को सम्मान देना मेरा कर्तव्य है। गांव के सभी लोग आज पारम्परिक वेशभूषा में सरना स्थल पर आकर शीश झुकाते हुए परिवार, समाज,देश और देश के प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा एवं संरक्षण की कामना की।

रांची को फैटी लिवर मुक्त बनाने में जुटे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

3 अप्रैल से शुरू होगा बड़ा अभियान

संवाददाता

रांची: फैटी लिवर एक गंभीर बीमारी है। जिसकी वजह से कई दूसरी बीमारियां भी हो जाती हैं। इससे निजात दिलाने के लिए सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बावजूद इसकी रोकथाम चिकित्सकों के लिए चुनौती बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार फैटी लिवर की समस्या के पीछे मुख्य वजह लोगों के खान-पान और जीवनशैली पर निर्भर करता है।

3 अप्रैल से शुरू होगा अभियान

हाल के दिनों में रांची में तेजी से बढ़ रही इस बीमारी की रोकथाम के लिए देश के रक्षा राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद संजय सेठ के प्रयास से आईएलबीएस और सदर अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इसकी शुरूआत 3 अप्रैल को रांची के सदर अस्पताल से होगी।

विश्व प्रसिद्ध लीवर रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एसके शरीन की देखरेख में गठित चिकित्सकों की टीम के द्वारा मोबाइल वैन आधारित स्क्रीनिंग प्रोग्राम के तहत शहरी और सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम चलाया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी वयस्कों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

रांची को फैटी लिवर मुक्त बनाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे देश के रक्षा राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद संजय सेठ ने कहा कि इसके लिए चार मोबाइल वैन उनके द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। जिसके माध्यम से फैटी लिवर की स्क्रीनिंग शुरू होगी। उन्होंने बताया कि एक मशीन की लागत एक करोड़ रुपये है। कुल मिलाकर चारों गाड़ी में चार करोड़ की अत्याधुनिक मशीन लगी होगी।

फैटी लिवर की जांच के बाद चिकित्सकों के द्वारा लोगों को मुफ्त सलाह भी दी जाएगी। आज के समय में फैटी लिवर को गंभीर बीमारी बताते हुए संजय सेठ ने कहा कि आज के समय में फैटी लिवर महामारी का रूप धारण कर चुकी है। इसके खिलाफ लड़ने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि रांची लोकसभा क्षेत्र पूरे देश के लिए एक मॉडल बने।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए इस अभियान की शुरूआत की गई है। संजय सेठ ने कहा कि आज देश-दुनिया के लिए फैटी लिवर बीमारी चिंता का विषय है। इससे रांची भी अछूता नहीं है। इसलिए रांचीवासियों के लिए निःशुल्क फैटी लिवर की स्क्रीनिंग के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है।

बी आर इंटरनेशनल स्कूल में दो दिवसीय 13वीं रोप स्किपिंग स्टेट चैंपियनशिप का समापन

खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं बल्कि आत्मविश्वास को बढ़ाने का भी एक जरिया : ओम प्रकाश राय

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा। बी आर इंटरनेशनल स्कूल में दो दिवसीय 13वीं रोप स्किपिंग स्टेट चैंपियनशिप संपन्न हुआ बीते दिन प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झुमरी तिलैया नगर परिषद के सिटी मैनेजर लेमांसू कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के निदेशक ओपी राय स्कीपिंग असोसिएशन के प्रांत सचिव राहुल प्रताप एवं सम्मानित अतिथि के रूप विद्यालय के उपप्राचार्य नवल किशोर डालसा के अरुण ओझा संघ के संपर्क प्रमुख दिलीप सिंह विहिप के अजय वर्मा एवं झुमरी तिलैया नगर परिषद के टैक्स अधिकारी विनोद कुमार उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में कोडरमा, हजारीबाग, गिरिडीह, बोकारो, जमशेदपुर, रामगढ़ सहित कुल आठ जिलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य खेलों के प्रति रुचि को बढ़ावा देना और नई प्रतिभाओं को आगे लाने का अवसर प्रदान करना था। दो दिन के इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसे दूसरे दिन समापन समारोह में सभी को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता बोकारो जिला सबसे अधिक मेडल प्राप्त करते हुए पहले स्थान पर रहा वहीं दूसरे स्थान पर कोडरमा रहा। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से की गई, जिसमें विद्यालय के सम्मानित अतिथियों और आयोजकों ने हिस्सा लिया। इसके बाद विद्यालय की छात्राओं ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जिसने पूरे माहौल को संगीतमय बना दिया। वहीं, छात्रा संजवी द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य ने सभी का मन मोह लिया और कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। विद्यालय के निदेशक ओम प्रकाश राय ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास को बढ़ाने का भी एक जरिया है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हार और जीत से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना होती है। इस दौरान मुख्य अतिथि लेमांसु कुमार ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल में हार- जीत तो होती रहती है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि आप कैसे खेलते हैं। खेल एक समर्पण और मेहनत का परिणाम है, और उसका फल आपके प्रयासों का परिणाम होता है। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयासरत रहने की सलाह दी। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया, बल्कि खेलों के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई। स्किपिंग एसोसिएशन के कोडरमा के सचिव अशोक कुमार विद्यालय की प्राचार्या सह कार्यक्रम के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ। राखी राय निदेशक ओपी राय प्रशासक सुनील कुमार एवं शिक्षक लक्ष्मी कुमारी इंद्रमणि कुमारी आरती कुमारी सरोजिनी डुंगडुंग शिक्षक शिवम सिंह अजय यादव और आयोजन समिति के सभी सदस्यों ने इस चैंपियनशिप को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता को लेकर अत्यंत उत्साहित और प्रेरित महसूस किया, जिससे यह प्रतियोगिता एक यादगार आयोजन बन गई।

जंगलों के अस्तित्व पर खतरा

ढाब के जंगल में जेसीबी व पोकलेन मशीन से किया जा रहा ग्रीन पत्थर का अवैध खनन

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : डोमचांच के जंगलों में माईका व ढिबरा के साथ ही कोडरमा की रत्नगर्भा धरती में कई बेशकीमती पत्थरों का भंडार भी छिपा है। डोमचांच के जंगलों में सफेद पत्थर फलस्फर सहित क्वार्ज के अलावा गोमेद, लाल पत्थर के बाद अब ग्रीन पत्थर पर खनन माफियाओं की नजर है। सुत्र बताते है कि ढाब थाना क्षेत्र के गोरियाडीह जंगल में ग्रीन पत्थर का अवैध खनन काफी बड़े वन भूमि में किया जा रहा है। यहां से निकलने वाले ग्रीन पत्थरों की राजस्थान सहित अन्य इलाकों में काफी डिमांड है। कुछ लोग इसे पन्ना पत्थर भी बताते है। डोमचांच के लगभग आधे भूभाग तक फैले वन भूमि खनन माफियाओं का मुफीद ठिकाना बन चुके है।अगर हम ढाब इलाके की बात करें तो इस इलाके में ढिबरा का अवैध खनन के अलावा अन्य कोई रोजगार का विकल्प नही है। जिसका फायदा खनन माफिया उठाते है। जंगलों में बड़े-बड़े मशीन जेसीबी, पोकलेन मशीन की मदद से जंगलों को बर्बाद किया जा रहा है। इसमें वन्य आश्रयणी सहित अन्य वन क्षेत्र शामिल है। जिसपर वन संपदा की सुरक्षा की जिम्मेवारी दी गई है। वह केवल दो-चार वाहनों को पकड़कर अपना कर्तव्य निर्वहन कर रहे है। जबकि जंगलों में वनों की अवैध कटाई से लेकर जंगलों में अवैध खनन के कारण वन भूमि लगातार सिमटता जा रहा है।

गावां में पागल कुत्ता के काटने से अधेड़ व 4 बच्चे घायल

गिरिडीह : गावां प्रखंड के चिह्यूटिया व बिरने में पागल कुत्ते के हमले में चार बच्चे व एक अधेड़ घायल हो गया। बताया गया कि चिह्यूटिया निवासी शंकर चौधरी का पुत्र सत्यम चौधरी, जागेश्वर यादव की पुत्री परिधि कुमार, सिकेन्द्र यादव की पुत्री करिश्मा कुमारी व 55 वर्षीय दरवारी चौधरी व बिरने निवासी रामदेव कान्दू के पांच साल की पुत्री प्राची कुमारी को कुत्ते ने काटकर जख्मी कर दिया। सभी बच्चे अपने घर के बाहर खेल रहे थे। तभी कुत्ते ने उन्हें काट लिया। वहीं, दरबारी चौधरी अपनी खेत के तरफ जा रहे थे। उन्हें भी कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया। सभी घायलों का इलाज गावां सीएचसी में कराया गया।

घर में लगी आग, हजारों का सामान जलकर राख

गिरिडीह : गावां प्रखंड के बिश्नीटीकर गांव में आग लगने से एक घर व उसके अंदर रखा हजारों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। भुक्तभोगी द्वारिका यादव ने बताया कि बगल के महुआ पेड़ में रविवार की रात किसी आग लगा दी थी। सोमवार की अहले सुबह जलता हुआ पेड़ द्वारिका यादव घर के ऊपर गिर गया, जिससे घर में भी आग लग गई। वहीं, पेड़ गिरने से घर का एक हिस्सा धराशाई हो गया। घटना में घर के अंदर रखे कपड़े, खटिया, किवाड़, चौखट सहित अन्य सामान जल गए हैं। शोर मचाने पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लेगों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। भुक्तभोगी ने अंचलाधिकारी से मुआवजा दिलाने की मांग की है।

सिमरिया शाखा के सभापति शिव शंकर मेहता एवं मंत्री नुनू लाल मेहता बने

पूर्वजों के द्वारा मिला विरासत को संभाल के रखना- बलराम भारती

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : झारखंड कुशवाहा चासा सेवा समिति कोडरमा, प्रधान कार्यालय डोमचांच का 22 वां त्रैवार्षिक चुनाव का शाखा सिमरिया का चुनाव 30 मार्च को दिन मे बजरंगबली के प्रांगण में बबुनी मेहता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।समिति का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक,आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु समर्पित है।1959 ई से लगातार समिति लोगों की सुख-दुःख के सेवा में तत्पर है।चुनावी सभा के दौरान कई शवक्ताओं ने संगठन की मजबूती पर अपना बहुमूल्य विचार दिया।मुख्य चुनाव प्रभारी बलराम भारती, सहायक चुनाव प्रभारी संजीत कुमार मेहता, केंद्रीय समिति के सभापति, उपसभापति, संरक्षक, अंकेक्षक, अंकेक्षक,महामंत्री, उप महामंत्री, क्षेत्रीय मंत्री, व्यवस्थापिका सभा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी एवं विभिन्न शाखा के मंत्री एवं सभापति की उपस्थिति में सिमरिया शाखा समिति का चुनाव बड़े गहमा गहमी के साथ संपन्न हुआ।चुनाव में सर्वसम्मति से व्यवस्थापिका सभा सदस्य रेणु देवी राजेश मेहता दुर्गा कुमार मेहता का चयन किया गया।वहीं शाखा सभापति शिव शंकर मेहता, उपसभापति ललिता देवी, मंत्री नुनू लाल मेहता, उप मंत्री बीरबल मेहता, कोषाध्यक्ष सीताराम मेहता, शिक्षा मंत्री महेश मेहता, सदस्य के रूप मे युगल किशोर मेहता, पिंटू मेहता, नुना देवी, भीम मेहता,सूरज मेहता तथा गटी महतो गणेश मेहता का चयन सर्वसम्मत से किया गया।शाखा संगठन मजबूत के लिए शांति सुरक्षा दल का भी चयन किया गया।चयनित शाखा समिति के पदाधिकारी एवं शांति सुरक्षा दल के सभी सदस्यों को अपने-अपने पद की गोपनीयता का शपथ दिलाया गया। मौके पर केंद्रीय समिति के सभापति भरत नारायण मेहता, उपसभापति बैजनाथ मेहता, व्यवस्थापिका सभा के उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार मेहता, महामंत्री वीरेंद्र प्रसाद मेहता, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मेहता, क्षेत्रीय मंत्री नागेश्वर मेहता, विनोद मेहता, हीरालाल मेहता, मुन्नीलाल मेहता, किशोर मेहता,डॉक्टर दिलीप मेहता, बबन मेहता, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी रामकृष्ण मेहता, लिपिक ब्रज किशोर मेहता, विभिन्न शाखा के मंत्री, सभापति, युवा साथी सहित सिमरिया शाखा के सैकड़ो की संख्या में स्वजाति बंधु महिला पुरुष उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन बालदेव मेहता ने किया।

श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के लिए श्रद्धालुओं ने किया ध्वजारोहण, शामिल हुए विधायक अमित

मेट्रो रेज संवाददाता

जयनगर : प्रखंड के लोहाडंडा गांव में 2 मई से शुरू हो रहे नौ दिवसीय श्री श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा सह रामचरित मानस नवाह्न पारायण महायज्ञ को लेकर ध्वजारोहण कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर माननीय विधायक अमित कुमार यादव जी मुख्य रूप से सम्मिलित हुए और क्षेत्र के लोगों के लिए उन्नति एवं सुख शांति समृद्धि के लिए प्रार्थना की। विधायक ने कहा कि यह आयोजन गांव की एकता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। इस तरह के धार्मिक कार्यक्रम समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही विधायक ने इस भव्य और पावन पवित्र धार्मिक यज्ञ समारोह के सफल आयोजन के लिए गांव के सम्मानित आयोजकों पूजा समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने यज्ञ समाप्ति तक पूरे गांव में मांस मदिरा का सेवन नही करने को लेकर पूर्ण पाबंदी का संकल्प भी लिया। यज्ञ समिति के कौशल यादव और सच्ची मोहन यादव ने बताया कि प्रतिदिन संगीत में प्रवचन होगा। कथा प्रवाचिका 10 वर्षीय बाल विदुषी अनुष्का पाठक उत्तर प्रदेश से होंगी। अन्नपूर्णा गिरीजी महाराज, साध्वी वर्षा नगर जी, उज्जैन भी प्रवचन देंगी। इस मौके पर पवन सिंह, सुरेंद्र मोदी, रामजी यादव, देवनारायण यादव, डॉ रामकृष्ण यादव, अशोक यादव, हीरामन मिस्त्री, महावीर यादव, विजय राणा, विजय स्वर्णकार, अर्जुन चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी शामिल हुए। यज्ञ को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष, सचिव, संरक्षक के साथ बलदेव यादव, राजकुमार सिंह, बाल गोविंद यादव, शशिकांत प्रसाद, महावीर यादव, अनीता देवी सहित कई ग्रामीण महिला-पुरुष जुटे हैं।

सीएम हेमंत और विधायक कल्पना सोरेन ने की सरहुल की पूजा

संवाददाता

रांची : प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर सीएम हेमंत सोरेन अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन को साथ राजधानी रांची के आदिवासी हॉस्टल पहुंचे। यहां लोगों ने दोनों का जोरदार स्वागत किया। सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन अलग ही अंदाज में दिखे। आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा में दोनों मांदर की थाप पर लोगों के साथ खूब झूमे। सीएम हेमंत ने खुद से मांदर बजाया। साथ ही लोगों को सरहुल की शुभकामनाएं भी दी। सीएम हेमंत सोरेन ने सबसे पहले सरहुल की पूजा की फिर सखुआ पौधे को परिसर में लगाया। इसके बाद मुख्यमंत्री रांची के सिरम टोली स्थित सरना स्थल के लिए रवाना हो गये। सीएम ने सिरम टोली के सरना स्थल पर भी पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और राज्य के सर्वांगीण विकास, सुख, समृद्धि और शांति की कामना की।

सरहुल के मौके पर सीएम ने किया दो दिनों की छुट्टी का ऐलान

रांची : सीएम हेमंत सोरेन ने सरहुल के मौके पर राज्य में दो दिनों की छुट्टी का ऐलान किया है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया हेंडल एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि, ह्वपिछले कई वर्षों से सरहुल के अवसर पर 2 दिन के राजकीय अवकाश की मांग उठ रही थी. आदिवासी समाज के इस महा पावन पर्व के महत्व को देखते हुए, मैंने इस वर्ष से 2 दिन का राजकीय अवकाश घोषित किया है. झारखंड की संस्कृति एवं परंपराओं की गौरवशाली धरोहर को हम सहेजते आयें हैं और सदैव सहेजेंगे. जय सरना, जय झारखंड.ह्व यानि आज और बुधवार को झारखंड में छुट्टी रहेगी है।

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण अंतिम चरण

संवाददाता

रांची : रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर में अंतिम चरण का काम तेज कर दिया गया है. कॉरिडोर का उदघाटन जल्द हो, इसे लेकर कॉरिडोर से लेकर सर्विस रोड का काम तेजी से किया जा रहा है. कॉरिडोर की ओर के रास्ते में रातू रोड चौराहा के आगे तक मैस्टिक का काम कर लिया गया है. वहीं दूसरी ओर का काम आज से शुरू हुआ है. कुल मिला कर मैस्टिक का कार्य 40 प्रतिशत से अधिक कर लिया गया है. इस काम को जल्द पूरा करने का प्रयास हो रहा है. वहीं नागाबाबा खटाल, राजेंद्र नगर कॉलोनी (पंडरा रोड) और इटकी रोड स्थित रैंप में जीएसबी व डब्ल्यूबीएम का काम अंतिम चरण पर है. इसे पूरी तरह कंपैक्ट किया जा रहा है. फिर बिटुमिंस का काम किया जायेगा. इस तरह रैंप तैयार हो जायेगा. इसके अलावा कॉरिडोर के ऊपर लाइटिंग का काम लगभग पूरा कर लिया गया है. डिवाइडर पर लाइट लगाये गये हैं, इससे पूरा फ्लाइओवर रौशन होगा. लाइटिंग के कार्य को टेस्टिंग करने के बाद फाइनल कर लिया गया है. एक्सटेंशन ज्वाइंट का काम बाकी : फिलहाल पूरे कॉरिडोर में एक्सटेंशन ज्वाइंट का काम बाकी है. दो पिलर के बीच के ज्वाइंट को भरने का काम किया जा रहा है. पंडरा रोड से लाहकोठी के आगे तक यह काम कर लिया गया है. वहीं पिस्का मोड़ के पास इटकी रोड को जोड़ने के लिए ज्वाइंट का काम भी किया जा रहा है. सर्विस रोड बनाने में अभी लगेगा समय : कॉरिडोर के नीचे सर्विस रोड निर्माण में अभी काफी वक्त लगेगा. फिलहाल कब्रिस्तान के पास इसका काम चल रहा है. पहाड़ी मंदिर गली के पास से पिस्का मोड़ तक एक ओर का सर्विस लेन लगभग बना लिया गया है. दूसरी ओर का काफी काम बाकी है. वहीं इटकी रोड में भी काम बाकी है. पूर मिनिशिंग का काम मई तक होने की उम्मीद है।

हटनिया तालाब में चैती छठ महा पर्व को लेकर समिति का गठन

राजेंद्र कुमार अध्यक्ष और प्रतुल शाहदेव संरक्षक बने

संवाददाता

रांची : हटनिया तालाब के प्रांगण में आगामी छठ महापर्व के आयोजन हेतु भारतीय यूथ संगठन महा छठ पूजा समिति के तत्वाधान में बैठक हुई।बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र कुमार उर्फ कैला यादव ने किया।आगामी छठ महापर्व का भव्य आयोजन हेतु श्रद्धालियों के लिए बेहतर व्यवस्था बनाने एवं विधि व्यवस्था पर विशेष रूप से चर्चा हुई।समिति द्वारा हटनिया तालाब के प्रांगण में टेंट, लाइट एवं साउंड सिस्टम की व्यवस्था की जाएगी। सभी श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल एवं शरबत का वितरण किया जाएगा।समिति के द्वारा छठ व्रतियों को दूध गंगाजल ,फल वितरित किया जाएगा। बैठक के बाद अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने जिला प्रशासन से निवेदन किया की सुरक्षा के विशेष प्रबंध किया जाए।

इस अवसर पर आयोजन समिति का भी गठन हुआ जो इस प्रकार है –

राजेन्द्र गोप (कैला)- अध्यक्ष
प्रतुल नाथ शाहदेव (संरक्षक)
अविनाश कुमार मिश्रा (उपाध्यक्ष)
प्रमोद पाठक (कोषाध्यक्ष)
रतन तुलसियान (उपाध्यक्ष)
कुमुद रंजन दुबे (मीडिया प्रभारी)

ईद मिलन में हिंदू मुस्लिम एकता देखने को मिली

सभी धर्म समुदाय हमारे देश की आन बान और शान है : गुलाम मुस्तफा

संवाददाता

रांची : ईद उल फितर के मुबारक मौका पर भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष के निवास स्थान पर हिंदू मुस्लिम एकता भाईचारा देखने को मिली दोनों समुदाय एक जगह मिले। साथ में बैठे और ईद के बनारसी सेवई का सभी ने मजे लिया ना हीं इसमें कोई भेदभाव नजर आया ना ही इसमें ऊंचा और निचा देखने को मिला। सभी एक साथ गले मिले और दोनों समुदाय एक दूसरे को ईद का बहुत-बहुत मुबारकबाद बधाई दिया। आज के इस ईद मिलन के शुभ अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा के सभी धर्म समुदाय हमारे महान देश भारत की आन बान और शान है। शिव मंदिर के अध्यक्ष दयानंद प्रसाद ने भारतीय एकता कमेटी के कार्य की सराहना की और कहा के शुरू से सभी धर्म समुदाय को एकता कमेटी ने जोड़ने का काम किया और जमीन से जुड़कर समाज सेवा का शुभ कार्य किया है जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। इस शुभ अवसर पर सचिव रामेश्वर राम, शिव मंदिर के अध्यक्ष दयानंद प्रसाद नंदू भाई, बंटी साहू, ओंकार सिंह, मोहम्मद अशरफ हवारी, पत्रकार बुलंद अख्तर, मोहम्मद खुर्शीद, प्रमोद कुमार गुप्ता, महमूद आलम, मनोज राम, मोहम्मद अशफाक, मोहम्मद पप्पू, मोहम्मद इब्राहिम, मोहम्मद नसीम, श्री संजय कुमार और सुरेश ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

चाईबासा पुलिस लाइन प्रांगण में सरहुल पूजा समारोह आयोजित

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत पुलिस लाइन-चाईबासा के प्रांगण में चाईबासा पुलिस मेंस एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित सरहुल पूजा समारोह में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त कुलदीप चौधरी व पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के द्वारा उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, सहायक पुलिस अधीक्षक निखिल राय, सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोपनो सहित अन्य के मौजूदगी सम्मिलित होकर सरहुल अखाड़ा में विधिवत पूजा किया गया, साथ ही इस दौरान वहां उपस्थित सभी जनों को प्रकृति पर्व की मंगल वेला पर शुभकामनाएं भी प्रेषित किया गया।

कदमा में सेक्स रैकेट का खुलासा अपार्टमेंट में छापेमारी

जमशेदपुर : कदमा थाना क्षेत्र के उर्मिला अपार्टमेंट में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया। तीसरी मंजिल के एक फ्लैट से युवक-युवती आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए। स्थानीय निवासियों ने लगातार संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दी थी। पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक सामान बरामद कर लिया है और हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ जारी है। साथ ही, फ्लैट मालिक की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

सरहुल पर्व आदिवासी समाज की आत्मा है :विजय शंकर नायक

सरहुल, झारखंड और मध्य-पूर्वी भारत के आदिवासी समुदायों का एक प्रमुख पर्व है, जो प्रकृति के प्रति उनकी गहरी आस्था और सामुदायिक एकता का प्रतीक है। यह उत्सव मुख्य रूप से मुंडा, उराँव (कुड़ुख), संथाल, हो, भूमिज और खड़िया जैसे आदिवासी समुदायों द्वारा मनाया जाता है। सरहुल का आयोजन चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया से शुरू होकर पूर्णिमा तक चलता है, जो वसंत ऋतु के आगमन और नए साल की शुरूआत का संकेत देता है। यह पर्व न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है।

सरहुल का अर्थ और उत्पत्ति : सरहुल शब्द दो शब्दों से मिलकर बना ह (साल वृक्ष) और हुल (उत्सव)। साल वृक्ष आदिवासियों के लिए पवित्र माना जाता है और उनकी प्रकृतिवादी जीवनशैली का आधार है। यह पर्व उनकी उस मान्यता को दशार्ता है कि प्रकृति ही जीवन की संरक्षक और पोषक है। सरहुल की उत्पत्ति को लेकर कोई लिखित इतिहास नहीं है, लेकिन यह माना जाता है कि यह प्राचीन काल से चली आ रही परंपरा है, जो आदिवासियों के प्रकृति-केंद्रित सरना धर्म से जुड़ी है।

सरहुल का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व :

प्रकृति की पूजा: सरहुल में साल के फूलों, पत्तियों और फलों के साथ-साथ जंगल, पहाड़ों और ग्राम देवताओं की पूजा की जाती है। यह पर्व प्रकृति के पुनर्जनन और फसलों की समृद्धि की कामना से जुड़ा है।

नए साल का स्वागत: आदिवासी समुदायों के लिए सरहुल नए साल की शुरूआत का प्रतीक है। यह समय होता है जब साल के पेड़ पर नए फूल खिलते हैं, जो जीवन और उर्वरता का संकेत देते हैं।

सामुदायिक एकता: यह पर्व गाँव के सभी लोगों को एक साथ लाता है। नृत्य, संगीत और भोज के माध्यम से सामाजिक बंधन मजबूत होते हैं। यहाँ तक कि गैर-आदिवासी समुदाय भी इसमें शामिल होकर उत्सव की शोभा बढ़ाते हैं।

हटिया में शोभायात्रा का स्वागत करेगी श्रीरामनवमी शृंगार समिति

रांची : श्रीरामनवमी शृंगार समिति की ओर से हटिया में सरहुल शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा। समिति की ओर से इस मौके पर सेवा शिविर लगाया जाएगा। संगठन की सोमवार को मिथिलेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसपर निर्णय लिया गया। तय किया गया शिविर के माध्यम से शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के बीच पानी, चना और बुंदिया का वितरण किया जाएगा। बैठक का संचालन महामंत्री पारस प्रसाद एवं धन्यवाद ज्ञापन राम मनोज ने किया। बैठक में महावीर महतो, सुरेंद्र गुप्ता शिवकुमार, मोहन सिंह, मनमोहन मिश्र, संजय मिश्र, सुरेंद्र गुप्ता,भोला प्रसाद सोनी, दुर्गेश यादव, नर्मदेश्वर मिश्र, विकास प्रसाद, विजय कुमार, हीरालाल वर्मन, संजय महतो, प्रभु कुमार, राम निरंजन सिंह, संजय महतो, दीपक गुप्ता, मंतोष कुमार, राजीव तिवारी, मनोज कुमार गुप्ता, शिवकुमार, राजू सोनी, रंजन कुमार, कृपाल प्रसाद, राजेश प्रसाद गुप्ता, रवि कुमार समेत अन्य शामिल हुए।

आदिवासियों की तरह देशभर के लोग प्रकृति से प्रेम करनेवाले बनें : सुबोधकांत

रांची : सरना समिति कांके क्षेत्र के तत्वावधान में सरना मैदान में झारखंड स्तरीय सरहुल पूर्व संध्या नागपुरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, विधायक सुरेश कुमार बैठा, पूर्व एडीजीपी रेजी डुंगडुंग, पूर्व डीआईजी हेमंत टोप्पो, यशस्विनी सहाय, अध्यक्ष रंजीत टोप्पो ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि सुबोधकांत सहाय ने कहा कि आदिवासियों की सभ्यता और संस्कृति पूरे विश्व में महान है। आदिवासी समाज जन्म से प्रकृति से प्रेम करते हैं। उन्होंने विश्व भर के लोगों को आदिवासियों की तरह प्रकृति से प्रेम करने का आह्वान किया। विधायक सुरेश कुमार बैठा, अध्यक्ष रंजीत टोप्पो, पूर्व एडीजीपी रेजी डुंगडुंग ने भी विचार रखा। इससे पूर्व सेमरटोली मौजा के महादेव पाहन द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाज से आराध्य देवी धरती माता, ग्राम देवता और सरना माता की पूजा की। जिसके बाद स्थानीय कलाकार पवन, नितेश कच्छप, चिंता देवी, मोजिबुल खान, अनिता बाड़ा, राजू, पंकज, राज मौर्य द्वारा नागपुरी गीत-संगीत रातभर प्रस्तुत किया। समिति के अध्यक्ष रंजीत टोप्पो ने बताया कि मंगलवार को कांके क्षेत्र के 102 गांवों से सरहुल की शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में शामिल लोग पारंपरिक परिधान और मांदर के साथ कांके सरना मैदान पहुंचेंगे। सब लोग कांके सरना मैदान में जुटेंगे। सरना समिति के पदधारियों द्वारा स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक एतवा गाड़ी, सुमित्रा टोप्पो, फूलमनी देवी, महादेव उरांव, उपाध्यक्ष राजेन्द्र मुंडा राजन, सोहराई टोप्पो, भूगोल उरांव, अर्जुन उरांव, महासचिव विनोद सांगा, सचिव सूरज टोप्पो, डॉ प्रकाश उरांव, कोषाध्यक्ष देवा उरांव, कैलाश टोप्पो, बैजनाथ उरांव, अमर तिर्की, योगेन्द्र उरांव, मोहन उरांव, राजेन्द्र उरांव, कुना टोप्पो, संदीप टोप्पो की सक्रिय भूमिका रही।

राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में झारखंड बालिका टीम उपविजेता बनी

झारखंड की बेटियों का दमदार प्रदर्शन प्रमिला सोरेन बनी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

संवाददाता

रांची : थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश थ्रोबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 32वीं सब जूनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता 28 से 30 मार्च 2025 तक भिलाई, छत्तीसगढ़ में संपन्न हुई। झारखंड टीम ने अपने लीग मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पहले लीग मैच में हरियाणा को 25-19, 25-17 से, दूसरे लीग मैच में मेजबान छत्तीसगढ़ को 25-10, 25-13 से एवं तीसरे मैच में उत्तर प्रदेश को 25-1, 25-3 से मात दी।

इसके बाद क्वार्टरफाइनल में झारखंड ने आंध्र प्रदेश को 25-20, 25-22 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में टीम ने मुंबई को 25-15, 25-09 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबले में झारखंड ने पहले सेट में शानदार खेल दिखाते हुए बढ़त बनाई, लेकिन कर्नाटक के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-22, 13-25, 21-25 से हार का सामना करना पड़ा और रजत पदक से संतोष करना पड़ा। झारखंड की प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रमिला सोरेन को प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ बालिका खिलाड़ी के रूप में चुना गया, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है। झारखंड टीम की इस उपलब्धि पर डॉ. राजेश गुप्ता, भरत कांशी, जमील अंसारी, सुनील चक्रवर्ती, आलोक दुबे, विजेता वर्मा, वेदांत कौस्तव, शंकर दुबे, शिव शंकर पांडे, नगीना कुमार, सोनू सिंह, देवव्रत कुमार, मनीष शाहदेव, कीर्ति कुमार, गौरव सिंह, नीरज वर्मा, नीतीश सिंह, राकेश कुमार, विवेक कुमार, विश्वजीत कुमार, क्वीन ठाकुर, सुकांता कुंडू, सुनीता महतो, रणधीर ज्वाला, अमित कुमार, अरुणा यादव, अन्नू यादव, सरस्वती, जेबा, तमन्ना, शाहरा, अंशुमन, अजित जयसवाल सहित कई खेल प्रेमियों और अधिकारियों ने टीम को बधाई दी। झारखंड थ्रोबॉल टीम की इस शानदार उपलब्धि से राज्य के खिलाड़ियों का मनोबल और अधिक बढ़ेगा और खेल के क्षेत्र में झारखंड का नाम और ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

अखिल राजपूताना कल्याण न्यास की बैठक संपन्न

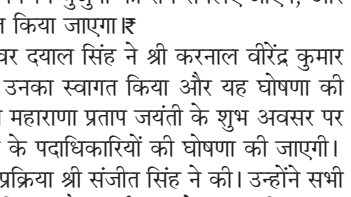

रांचीः अखिल राजपूताना कल्याण न्यास द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन टाटीसिल्वर, लालगंज, सूर्य नगर स्थित करनाल बीके सिंह जी के आवास पर किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के सौ से अधिक लोग एकत्रित हुए और समाज के उत्थान हेतु विविध पहलुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटायर्ड कर्नल वीरेंद्र सिंह जी ने की, जिन्होंने कार्यक्रम की शुरूआत महाराणा प्रताप एवं वीर कुंवर सिंह की तस्वीरों पर श्रद्धांजलि अर्पित कर की। कार्यक्रम का संचालन अखिल राजपूताना कल्याण न्यास के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री राम सिंह जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अखिल राजपूताना कल्याण न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री शिवाजी सिंह परमार, श्री नित्यानंद सिंह जी, श्री दिलीप सिंह जी, श्री संतोष सिंह जी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर दयाल सिंह ने समाज के विकास और उसकी एकता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे यह संगठन समाज के लिए कार्य कर रहा है और किस तरह से समाज के हर वर्ग को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान टाटीसिल्वर क्षेत्र के लिए अध्यक्ष का चुनाव भी किया गया, जिसमें सेवानिर्मित लेफ्टिनेंट कर्नल *वीरेंद्र कुमार सिंह जी को अध्यक्ष के रूप में चुना गया।* उनका नाम प्रस्तावित करने में उपस्थित बुजुर्ग गार्जियन जैसे श्री रमेश सिंह जी, श्री राम देव सिंह जी, श्री परशुराम सिंह जी, श्री कामाख्या सिंह जी, श्री हरिंदर सिंह जी, श्री त्रिभुवन सिंह जी, और श्री रोलन सिंह ने उनका समर्थन किया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष भाषण देते हुए करनाल वीरेंद्र कुमार सिंह ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने विश्वास जताया कि वे समाज की एकता और अखंडता के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, ₹जिन्हें समाज से कोई दूरी हो गई है, उन्हें वापस जोड़ने का काम किया जाएगा, और समाज को एकजुट करने के लिए एक नई ऊर्जा उत्पन्न होगी। समाज के सभी निर्णय बुजुर्गों की राय से लिए जाएंगे, और उनका आशीर्वाद हमेशा प्राप्त किया जाएगा।₹

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर दयाल सिंह ने श्री करनाल वीरेंद्र कुमार सिंह को अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया और यह घोषणा की कि आगामी 9 मई 2025 को महाराणा प्रताप जयंती के शुभ अवसर पर नई कार्यकारिणी और समिति के पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी।

कार्यक्रम के समापन की प्रक्रिया श्री संजीत सिंह ने की। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया और कार्यक्रम को समाप्त किया।

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।

तालमेल पर ध्यान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपनी नागपुर यात्रा के दौरान हालांकि कई कार्यक्रमों में शिरकत की, लेकिन इस दौरे का सबसे खास पहलू था उनका संघ मुख्यालय जाना। नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री कभी वहां नहीं गए थे। उनसे पहले संघ मुख्यालय जाने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी रहे। वैसे तो पीएम मोदी संघ प्रचारक रहे हैं, संघ की सोच और उसके अजेंडा को लेकर उनका समर्पण संदेहों से परे रहा है, फिर भी कई वजहों से केंद्र सरकार और संघ के बीच रिश्तों में कथित रूप से थोड़ी असहजता देखी जा रही थी। पिछले साल बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनावों से पहले कहा था कि पार्टी अब इतनी समर्थ हो गई है कि उसे संघ के सहारे की जरूरत नहीं। इस बयान को भी दोनों के रिश्तों में असहजता से जोड़कर देखा गया। उदासीनता का नतीजाः खैर, औपचारिक तौर पर संघ की कोई बीजेपी अध्यक्ष के इस बयान पर प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन जब लोकसभा चुनावों में बीजेपी 'अबकी बार चार सौ पार' के दावों के बीच अपने दम पर बहुमत भी हासिल नहीं कर पाई तो माना गया कि संघ की कथित नाराजगी से उपजी उदासीनता की इसमें बड़ी भूमिका रही। इसके बाद दोनों तरफ से गलतफहमियां दूर करने की कोशिशों का नतीजा हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बीजेपी को मिली अप्रत्याशित सफलता को माना गया। अब पीएम मोदी की इस यात्रा ने रहा-सहा संदेह भी दूर करने का काम किया है। आरएसएस से बीजेपी के रिश्तों के संदर्भ से अलग हटकर देखें तो भारतीय राजनीति को प्रभावित करने वाले कुछ और अहम सवाल भी इस यात्रा से जोड़े जाते रहे हैं। ऐसा ही एक सवाल अगले पार्टी अध्यक्ष के नाम पर सहमति बनने का है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा पार्टी और सरकार के भविष्य के लिहाज से अहम माने जाने वाले ऐसे कई मसलों पर फैसलों में तेजी लाएगी। पीएम मोदी की अगुआई में हिंदुत्व की राजनीति ने अपना जैसा विस्तार किया है, उसके मद्देनजर यह सवाल भी बहुतों के मन में उठने लगा है कि इस राजनीति के अगले चरण का नेतृत्व कौन करेगा। हालांकि बीजेपी यह स्पष्ट कर चुकी है कि सरकार के मौजूदा कार्यकाल में किसी तरह के बदलाव का सवाल ही नहीं उठता, फिर भी संघ प्रमुख और पीएम मोदी की यह करीबी इस बात का संकेत है कि भविष्य की दिशा तय करने का काम अब ज्यादा सहजता और सामंजस्य के साथ होगा।

विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

रोजगारी, गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते? सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चचाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं। बॉलीवुड के निमार्ता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौडगढ़ के किले में स्थित 'पद्मावती' महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहीं, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेराव होल्कर की मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसको लेकर रूपवास व कुम्हेर थाने में दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को मनाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरूआत कांग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही। कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग की थी कि वह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने का कार्यक्रम और उन्हें महिमामंडित करने की योजना रोक दें। बीजेपी की निगाह में टीपू सुल्तान धार्मिक रूप से कट्टर और हिन्दू विरोधी शासक था। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने उत्तर भारत के 9वीं सदी के राजपूत शासक सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें एक गुज्जर बताया। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने जौनपुर गांव में सम्राट मिहिर भोज की एक प्रतिमा भी समर्पित की, जिसमें उन्हें गुज्जर बताया गया। इसका राजपूत समुदाय ने कड़ा विरोध किया। बिहार में गठबंधन से पहले भाजपा ने नीतीश सरकार पर इतिहास के छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। भाजपा ने यहां तक कहा था कि सरकार ने प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का अपमान किया है। बिहार के पूर्व मंत्री भीम सिंह ने बिहार सरकार खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मोहम्मद युनूस को बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री बताते हुए उनके जन्म दिवस पर राजकीय जयंती समरोह मनाए जाने को बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत इतिहास के साथ छेडछाड की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए। अजमेर में दरगाह में हिंदू मंदिर का दावा करते स्थानीय अदालत में मामला दायर किया गया। इसी तरह देश के दूसरे हिस्सों में भी मस्जिदों में मंदिर होने को लेकर अदालतों में मामले दायर किए गए। नेताओं ने तभी पैर पीछे खींचे जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे विवादों पर रोक लगा दी।

प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है।

डॉ. आरपी शर्मा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार केा लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी यह अपने आपमें सोचनीय हो जाती है।

जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ हो जाता है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है। एक समय था जब कुकुरमुत्ते की तरह प्रबंधन संस्थान खुले और आज हालात यह है कि निजी क्षेत्र में खुले इस तरह के संस्थानों को क्षमता के अनुसार विद्यार्थी ही नहीं मिल रहे हैं। लगभग यही स्थिति इंजीनियरिंग कालेजों की होती जा रही है। गली गली में फामेर्सी संस्थान खुलते जा रहे हैं। सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फेकेल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पास आउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की बात करना बेमानी होगा। सरकार को शिकागो, हार्वर्ड कोलंबिया, पेन्सिलवेनिया या इसी तरह की संस्थानों से पासआउट के साथ जो हालात बन रहे हैं उससे समय रहते सबक लेना होगा और अन्य संस्थानों में भी शिक्षण और शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी ताकि पासआउट की लंबी फोज नहीं बन सके। युवाओं में नैराश्य भी नहीं आये और देश को योग्य युवा मिल सके।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आधुनिक तकनीक से जल संकट का सच्चा समाधान

नागालैंड की जाबो कृषि पद्धति भी सफल है। यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणाली भी वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

जल संकट आज दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान और तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है। जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल चार फीसदी मीठा पानी है, लेकिन देश की 18 फीसदी आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू-चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है। स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडल गांव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीक का उपयोग करके भू-जल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहा जल उपलब्धता बढ़ी। राजस्थान की जोहड़ प्रणाली से राजस्थान में छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भू-जल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणाली भी कारगर है। इसके अंतर्गत छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भू-जल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं।

नागालैंड की जाबो कृषि पद्धति भी सफल है। यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणाली भी वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है। जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएं जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियां मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्य के अंतर्गत तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली के तहत जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएं हैं। समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करती हैं। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गांव की सभाएं छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायत योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। कई बार देश में शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गांवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है। पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं। इसलिए परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। आईआईटी मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएं बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रण के लिए शहरों में अपशिष्ट जल को पुनः उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए। जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ एआई आधारित निगरानी प्रणाली को जोड़कर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कानूनी मान्यता, वैज्ञानिक सहयोग, स्थानीय भागीदारी, जल पुनर्चक्रण और जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है। जल संकट से निपटने के लिए हमें अतीत की सीख और भविष्य की तकनीकों के बीच संतुलन बनाना होगा। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियां हमें स्थिरता और स्थानीय अनुकूलन का ज्ञान देती हैं, जबकि आधुनिक तकनीकें जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायता कर सकती हैं। यदि हम दोनों का संगम करके कार्य करें, तो जल संकट का स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सकता है। 'बूंद-बूंद से घड़ा भरता है' जल संरक्षण की दिशा में एक छोटा प्रयास भी भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मध्य प्रदेश में स्थित है मां के प्राचीन मंदिर और शक्तिपीठ

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का त्योहार बेहद ही महत्वपूर्ण माना जाता है। 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है और इसका समापन 7 अप्रैल को होगा। अगर आप कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं या फिर किसी शक्तिपीठ मंदिर का दर्शन करना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए है। इस नवरात्रि के मौके पर आप भी मध्य प्रदेश को प्राचीन मंदिरों और शक्तिपीठों के बारे में बताने जा रहे हैं। मान्यता है कि माता के इन मंदिरों पर जाने से माता का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

हरसिद्धि देवी शक्तिपीठ

मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित हरसिद्धि देवी शक्तिपीठ की मान्यता बेहद प्रचलित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यहां पर माता सती की कोहनी गिरी थी। यह शक्तिपीठ रुद्र सागर तालाब के पश्चिमी तट पर स्थित है। माना जाता है कि माता दिन में गुजरात और

रात को उज्जैन में निवास करती हैं।

शोण नर्मदा शक्तिपीठ

मध्य प्रदेश के अमरकंटक में स्थित शोण नर्मदा शक्तिपीठ है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यहां पर माता सती का दायां नितंब गिरा था। यह शक्तिपीठ नर्मदा नदी का उद्गम माना जाता है। इसलिए भक्तजन देवी मां की नर्मदा के रुप में पूजा-अर्चना करते हैं। इस शक्तिपीठ को शोणाक्षी शक्तिपीठ के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर माता की मूर्ति पर सुनहरा मुकुट और चांदी का चबूतरा देखकर आप खुश हो जाओगे। इस मंदिर तक आपको पहुंचने के लिए 100 सीढ़िया चढ़नी पड़ती है।

मैहर माता मंदिर

नवरात्रि के दौरान आप मध्य प्रदेश के इस लोकप्रिय मंदिर का दर्शन जरुर करें। एमपी के सतना जिले में त्रिकुट पहाड़ी पर मैहर माता विराजित है। नवरात्रि के समय में यहां काफी भीड़ देखने को मिलती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यहां पर माता सती हार गिरा था। मैहर माता मंदिर पहुंचने के लिए भक्तों को 1063 सीढ़िया चढ़नी पड़ती है। इस मंदिर में जाने के लिए भक्तो के लिए रोपवे सेवा भी मौजूद है।

पीतांबरा पीठ

मध्य प्रदेश के दतिया जिले में स्थित मां पीतांबरा का मंदिर काफी लोकप्रिय है। यहां पर मां बगलामुखी को पीतांबरा रुप में पूजा अर्चना की जाती है। नवरात्र में यहा विशेष पूजा का भी आयोजन होता है। इतना ही नहीं, इस मंदिर में महाभारत काल का वनखंडेश्वर महादेव मंदिर और धूमावकी माता का मंदिर भी है।

सेहत

हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अलसी व चिया सीड्स

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद के लिए समय निकाल पाना काफी मुश्किल हो गया है। ऐसे में लोगों को तरह-तरह की बीमारियां घेर लेती हैं। वहीं हाई ब्लड प्रेशर की समस्या आम हो चुकी है। हर दूसरा व्यक्ति हाइपरटेंशन से परेशान है। इसकी वजह से स्ट्रोक या हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में हाई बीपी की समस्या को कंट्रोल में रखने के लिए दवाओं के साथ-साथ सही खानपान की भी जरूरत होती है।

हालांकि कुछ खास बीजों को अपनी डाइट में शामिल करके आप नेचुरल तरीके से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को कंट्रोल किया जा सकता है। बता दें कि अगर आप अपनी डाइट में चिया और अलसी के बीजों को शामिल करते हैं, तो हाई बीपी को कंट्रोल कर सकते हैं।

अलसी के बीज : अलसी के बीजों में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो धमनियों को मजबूत बनाने में सहायता करता है। इसके सेवन से ब्लड फ्लो बेहतर होता है और फाइबर कोलेस्ट्रॉल को सुधारता है। वहीं इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ब्लड प्रेशर को कम करता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद मैग्नीशियम और पोटेशियम हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर करता है। अलसी के बीजों में पाया जाने वाला पोटेशियम रक्त वाहिकाओं को रिलैक्स करता है।

चिया सीड्स : चिया सीड्स में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। इसमें मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करता है। साथ ही यह ब्लड सकुर्लेशन को सुधारता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

गढ़वा में डीजे बजाने को लेकर संग्राम, विधायक बोले

मैं खुद रहूंगा मौजूद, देखता हूं कौन क्या करता है

मेट्रो रेज

गढ़वा: जिला में रामनवमी में डीजे बजाने को लेकर संग्राम छिड़ा हुआ है। एक तरफ जिला प्रशासन तो दूसरे तरफ अखाड़ा समिति के लोग हैं। जिला प्रशासन ने किसी भी कीमत पर डीजे नहीं बजाने की हिदायत देते हुए डीजे संचालकों को नोटिस थमा दिया है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी कीमत पर डीजे की बुकिंग नहीं होनी चाहिए नहीं तो प्राथमिकी दर्ज तय है। अब जिला मुख्यालय के विभिन्न अखाड़ा समिति भाजपा विधायक के पास पहुंच डीजे बजाने की अनुमति की मांग की है। भव्य

तरीके से निकालती है रामनवमी की शोभा यात्रा

रामनवमी की शोभा यात्रा निकालने में अभी छः दिनों का समय बाकी है। जिला मुख्यालय में हजारीबाग की तर्ज पर भव्य रामनवमी की जुलूस निकाली जाती है। लेकिन इस बार की रामनवमी फीकी रहने वाली है क्योंकि न्यायलय का हवाला देते हुए डीजे बजाने की अनुमति जिला प्रशासन नहीं दे रहा है।

इस बीच जिला मुख्यालय के विभिन्न अखाड़ा समिति के लोग गढ़वा के भाजपा विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के आवास पर पहुंच अपनी बात रखी है। लोगों का कहना है कि किस तरह जिला प्रशासन कार्य कर रही है। बंशीधर महोत्सव एवं अन्य कार्यक्रम का हवाला देते हुए कहा कि यहां जब डीजे बज रहा था तो जिला प्रशासन कहां थी। लेकिन रामनवमी आते ही प्रशासन डीजे बजाने पर बैन लगा रही है।

भाजपा विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने दावा किया कि डीजे हर हाल में बजेगा। हां, जो न्यायालय का आदेश है उसी नियम के तहत बजेगा। मैं उस दिन खुद मौजूद रहूंगा, देखता हूं कौन क्या करता है। जरुरत पड़ेगी तो हम इस बात को सदन में लेकर जाएंगे। उन्होंने प्रशासन पर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाते हुए सरकार पर भी सनातन धर्म पर प्रहार करने का आरोप लगाया।

वहीं डीसी और एसडीएम सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए किसी भी कीमत पर डीजे नहीं बजाने की बात कह रहे हैं। बता दें कि रामनवमी त्योहार में मात्र छः दिन बचे हैं। आज शहर में मंगला जुलूस निकाला जाएगा। इधर, जिला प्रशासन ने गढ़वा अनुमंडल में 508 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए 128 लोगों के खिलाफ वारंट जारी किया है।

मजदूरों का हक अधिकार की रक्षा के लिए श्रमिकों को सेफ्टी किट योजना देने की मांग

मेट्रो रेज

साहिबगंज/उघवा : झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला महिला समिति की अध्यक्ष अंजू कुमारी की अध्यक्षता में संगठन की मजबूती को लेकर राधानगर लक्ष्मी शाह की आवास में बैठक हुई।इस बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव केंद्रीय संयुक्त मंत्री ललित कुमार सिंह और अजय कुमार रजक मुख्य रूप से उपस्थित थे।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मजदूरों का हक अधिकार की रक्षा के लिए श्रमिक औजार सहायता योजना मेधावी छात्र छात्रा छात्रवृति योजना विवाह योजना,सहायता योजना,मृत्यु दुर्घटना योजना व सेफ्टी किट योजना देने की मांग की है।बैठक में जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव,फूल कुमारी देवी, प्रयाग महतो,पिंकी देवी, लिपिक कुमारी कृष्णा साह,,मिला कुमारी,बबीता देवी, सकीना खातून,आशा देवी, शेफाली घोष, निशा देवी,सुषमा साह, पूनम कुमारी,माला देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मोटे अनाज से आत्मनिर्भर हुई महिलाएं

मेट्रो रेज

हजारीबाग: गरीबों की थाली का भोजन कहे जाने वाले ज्वार, बाजरा, रागी और सांवा जैसे मोटे अनाजों के दिन बहुरने लगे हैं। महिलाओं ने रागी जिसे झारखंड में मडुआ भी कहा जाता है, उसे अपना जीवन का आधार बना लिया है। गुमला की महिलाएं मडुवा से आटा, निमकी, चिप्स, भुजिया, ठेकुआ, मिक्सर, कुकीज और लड्डू बना रही है। आलम यह है कि महिलाओं के द्वारा तैयार किया गया प्रोडक्ट बाजार में कुछ इस कदर छा गया है कि यह अब मांग भी पूरा नहीं कर पा रहा है।

गांव की महिलाएं जो पहले कुछ रुपए के लिए भी दूसरे पर मोहताज हुआ करती थीं। अब वह ऋण देने के लिए भी तैयार हैं और यह हुआ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोटे अनाज पर जोर देने के कारण। इन महिलाओं ने मोटे अनाज को व्यापार का अभिन्न अंग बना लिया है। जिससे वह आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, उनका व्यवसाय करोड़ों में हो रहा है। व्यवसाय से संपन्न हो रही महिलाएं महिला उद्यमियों ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद उद्योग उन्नयन योजना से लाभ लेते हुए कर्ज लिया। महिलाओं ने मिलेट्स जिसे मडुआ या रागी के नाम से भी जाना जाता है। इससे खाने के कई तरह के उत्पाद और स्नैक्स तैयार किए हैं। रागी से एक दर्जन से अधिक स्नेक्स बाजारों में आ चुके हैं। जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से संपन्न हो रही हैं और दूसरे लोगों को रोजगार भी दे रही हैं। गुमला की रहने वाली महिलाएं बताती है कि इन सब ने मिलकर जोहार नाम की कंपनी बनाई है। जिसमें 150 से ज्यादा महिलाएं काम कर रही हैं। अब इस व्यवसाय से 300 से ज्यादा लोग रोजगार का लाभ ले रहे हैं।

महिलाएं मडुआ से आटा, निमकी, चिप्स, भुजिया, ठेकुआ, मिक्सर, कुकीज और लड्डू बना रही हैं। आटा तैयार करने के लिए महिलाओं ने मशीनें खरीदी हैं। आटा तैयार करने के बाद हाथ से ही सभी तरह के स्नैक्स तैयार किए जाते हैं। जिसमें सबसे अधिक मांग लड्डू, मिक्चर और ठेकुआ का है। जब महिलाओं से पूछा गया कि उन्होंने यह सब कैसे किया तो वे बताती है कि स्वास्थ्य को देखते हुए यह प्रोडक्ट तैयार किए जाते हैं। आंगनबाड़ी के साथ-साथ किशोरियों को भी यह सामान उपलब्ध कराया जाता है। कई संस्था ऑर्डर पर भी स्नैक्स मंगवा रहे हैं।

2022 से पहले यह महिलाएं घर पर रहती थीं। कुछ महिलाएं मजदूरी भी करती थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब मोटा अनाज यानी मिलेट्स के महत्व को समझाया तो इसकी मांग भी बढ़ती चली गई। यही कारण है कि अब महिलाएं इतनी सशक्त हो गई हैं कि वे दूसरे की मदद कर सकती हैं।

पलामू पुलिस ने नाकाम की लूट की वारदात, गैंग का उत्तर प्रदेश से कनेक्शन

पलामू: पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश का एक गैंग पलामू में बड़ी लूट की फिराक में था। लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के कारण उनका लूट का प्लान कामयाब नहीं हो पाया। पुलिस ने 3 इंटर स्टेट लुटेरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लुटेरे उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत कई इलाकों में लूट करने के लिए सक्रिय रहे हैं। जबकि गिरोह के कई सदस्य पश्चिम बंगाल के दमदम और अलीपुर जेल में कैद हैं।

दरअसल पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की गैंग पलामू के मेदिनीनगर में बड़ी लूट की घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसी सूचना के आधार पर पलामू पुलिस ने चैनपुर थाना क्षेत्र से तीन लुटेरों को दबोचा है। गिरफ्तार लुटेरों में उत्तर प्रदेश के

प्रयागराज के शंकरगढ़ के शत्रुघ्न पांडेय, पलामू के चैनपुर के लादी के रहने वाले पुरूषोत्तम कुमार, सतीश चंद्रवंशी का नाम शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने एक देशी कट्टा, दो जिंदा गोली समेत कई सामग्री को बरामद किया है। बंगाल में रची लूट की साजिश, उत्तर प्रदेश से बुलाए गए अपराधी पलामू में गोल्ड लूटने की योजना बंगाल में तैयार की गई थी। एक इंटरस्टेट गैंग से जुदा हुए कई अपराधी बंगाल की जेल में बंद हैं। गिरोह से जुड़े हुए कई लोग पलामू में रहते थे। सभी मिलकर लूट की घटना को अंजाम देने की तैयारी में थे। लूट को अंजाम देने के लिए उत्तर प्रदेश से अपराधियों को बुलाया गया था। घटना को अंजाम देने से पहले रैकी की गई थी। छापेमारी अभियान में मेदिनीनगर टाउन थाना और चैनपुर थाना की पुलिस शामिल थी। सभी अपराधी पलामू के चैनपुर के रानीताल डैम के इलाके में एकजुट थे। इसी क्रम में पुलिस ने छापेमारी करके सभी को गिरफ्तार किया है।

दो पक्षों में पथराव, स्थिति कंट्रोल में, अधिकारी के साथ जवान तैनात

गिरिडीह: जिले में दो पक्षों में पथराव की घटना घटी है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव है। वहीं अधिकारियों के साथ भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। घटना नगर थाना के ठीक पीछे धरियाडीह की है।

बताया जाता है कि सोमवार की शाम को दो पक्षों के बीच विवाद हुआ जिसके बाद माहौल को खराब करने का प्रयास किया गया। कुछ लोग इसे दूसरे ही रंग देने में जुट गए। इस दौरान पथराव भी किया गया। हालांकि घटना की जानकारी के बाद प्रशासन तुरंत ही एक्टिव हुआ। नगर थाना पुलिस के साथ मुफ्फसिल थाना पुलिस भी पहुंच गई और उलझ रहे लोगों को खदेड़ा गया। पुलिस के सख्त रुख के बाद स्थिति सामान्य हुई।

उपद्रवियों की पहचान शुरू

घटना की जानकारी मिलते ही डीसी नमन प्रियेश लकड़ा और एसपी डॉ बिमल कुमार ने तुरंत ही सभी अधिकारियों को धरियाडीह पहुंचने का निर्देश दिया। निर्देश मिलते ही क्षेत्र में विधि व्यवस्था को लेकर भ्रमण कर

रहे एसडीएम श्रीकांत विस्पुते, डीएसपी मुख्यालय नीरज कुमार सिंह, सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद, मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, पचम्बा इंस्पेक्टर मंटू कुमार, पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार के साथ कई अधिकारी पहुंचे। यहां पहुंचते ही उपद्रवियों की खोज शुरू कर दी गई। वहीं लोगों को शान्ति व्यवस्था बरकरार रखने की अपील की। दूसरी तरफ जवानों को धरियाडीह के गलियों में गश्त करवाया गया। जबकि आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी को खंगालने का काम भी शुरू किया गया। यहां पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि मामूली बात पर दो पक्ष भिड़े थे।

ओल और अदरक बीज वितरण से किसानों को मिला लाभ

मेट्रो रेज

साहिबगंज:उद्यान विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले के बरहेट प्रखंड में किसानों को ओल एवं अदरक की खेती के लिए प्रेरित करने हेतु बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस योजना के अंतर्गत जेएसएलपीएस द्वारा चयनित सखी मंडल की दीदी किसानों के बीच ओल अदरक बीज का वितरण किया गया।बरहेट प्रखंड के प्रखंड प्रमुख सह प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी एवं उद्यान विभाग के प्रतिनिधि प्रेम पासवान झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के जिला आजीविका प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के संयुक्त प्रयास से किसानों को घर-घर जाकर प्रति किसान दो क्विंटल अदरक एवं 90 किलोग्राम औल बीज उपलब्ध कराया

गया। जिसमें प्रखंड प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने कहा कि इस योजना से किसानों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि अदरक की खेती से किसान अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। और आने वाले दिनों में जिले के कृषि क्षेत्र में एक नई क्रांति आ सकती है। वहीं वितरण कार्यक्रम में प्रति किसान 90 किलोग्राम ओल कुल प्रगतिशील किसान संख्या-75 व दो क्विंटल अदरक प्रति किसानकुल प्रगतिशील किसान का संख्या-15 बीज दिया जा रहा है।जितने किसान मनरेगा अंतर्गत संचालित योजना बिरसा हरित ग्राम योजना का लाभ ले रहे हैं वे लोग आंतरिक मिश्रित खेती अंतर्गत आम के पेड़ों के बीच अदरक लगा सकते हैं।बीज प्राप्त कर किसानों के बीच हर्ष का माहौल है, इससे किसान लखपति दीदी की ओर आगे बढ़ेंगेऔर अपने सपनों को नई उड़ान देंगे। इस कार्यक्रम में बीआरपी लाइवलीहुड गंगाराम मढैया, माया देवी, बागवानी मित्र बाबूजी सोरेन समेत कई किसान और सखी मंडल की दीदी उपस्थित थीं।

न्यूज IN ब्रीफ

अडाणी पावर में स्थाई नौकरी की मांग को लेकर रैयतों का हंगामा, प्रदर्शन

गोड्डा : देश के चर्चित उद्योगपति गौतम अडाणी की गोड्डा के मोतिया स्थित बिजली कंपनी अडाणी पावर में स्थाई नौकरी की मांग को लेकर जमीन दाताओं (रैयतों) ने मोर्चा खोल दिया है। कंपनी में पिछले दस वर्षों से काम कर रहे 178 अस्थायी कर्मियों ने सोमवार की सुबह कंपनी के गेट पर जमकर विरोध प्रदर्शन व हंगामा किया। इसी दौरान सुरक्षा प्रभारी ने एक कर्मी के साथ दुर्व्यवहार कर दिया। इससे प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और सुरक्षा कर्मियों के साथा धक्का-मुक्की करने लगे। हो-हंगामा की सूचना मिलते ही मोतिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों का समझा-बुझाकर शांत कराया।

प्रदर्शन कर रहे कर्मियों ने बताया कि उनलोगों ने अडाणी पावर को अपनी जमीन दी है। प्लांट खुलने के वक्त कंपनी के अधिकारियों ने मुआवजा के साथ कंपनी में स्थायी नौकरी देने का करार किया था। शुरूआती दौर में उन्हें अडाणी कंपनी के अधीन कार्य कर रही इनएयू कंपनी में नौकरी मिली। बताया गया कि दोनों कंपनियां एक ही हैं। करीब दस वर्ष सेवा देने के बाद एक दिन पहले सभी को मेल भेजकर कहा गया कि अब आप दूसरी कंपनी ऋद्धि सिद्धि के अधीन काम करेंगे। इससे सभी कर्मी भड़क गए और स्थाई नौकरी देने की मांग को लेकर कंपनी का गेट जामकर धरना पर बैठ गए। रागिनी झा ने बताया कि कंपनी ने नौकरी देने से पूर्व गारंटी के तौर पर भी साढ़े पांच लाख की राशि वसूली थी और बदले में वेतन के रूप में मात्र दस-पंद्रह हजार रुपए ही देती है। उन्होंने कहा कि आगे आंदोलन और तेत किया जायेगा। आमरण अनशन के साथ जरूरत पड़ी तो गेट पर ही आत्मदाह कर प्राण त्याग देंगे। इधर, प्रबंधन की ओर से बताया गया है कि नियोक्ता कंपनी का सिर्फ नाम बदला है, सुविधाएं पहले जैसी ही मिलेंगी। इसमें परेशान होने वाली कोई बात नहीं है।

बासुकीनाथ मंदिर में हजारों भक्तों ने किया भोलेनाथ का जलाभिषेक

दुमका : चैत्र नवरात्र की द्वितीया तिथि पर सोमवार को बासुकीनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। 40 से अधिक भक्तों ने भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। मंदिर में तड़के चार बजे से भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। अहले सुबह सरकारी पूजा में पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ षोडशोपचार विधि से बाबा की पूजा की। इसके बाद मंदिर का पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। सुबह में जलार्पण का सिलसिला शुरू हुआ, जो शाम तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने पवित्र शिवगंगा में आस्था की डुबकी लगाकर बाबा की पूजा की। झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार व बंगाल से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे थे।

पूरा मंदिर परिसर हर हर महादेव के नारे से गुंजायमान रहा।

पंडित गणेशानंद झा ने बताया कि जो भी सच्चे मन और विश्वास के साथ भोलेनाथ की पूजा करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस अवसर पर भक्तों ने मंदिर परिसर में मुंडन संस्कार, गठबंधन, ध्वजारोहण, श्रृंगार पूजन, शांति पूजन, जप अनुष्ठान, महामृत्युंजय मंत्र जाप, कालसर्प दोष शांति पूजन आदि कराया।

मोती पहाड़ी के मिट्टी खदान से महिला का शव बरामद

साहिबगंज: जिले के बोरियों थाना क्षेत्र के मोती पहाड़ी के मिट्टी खदान के पास से सोमवार को सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है।बोरियों थाना पुलिस ने मोती पहाड़ी के मिट्टी खदान से 28 वर्षीय आदिवासी महिला का शव बरामद किया है.पुलिस ने शव को बरामद करने के बाद शव को पोस्टमार्टम करने के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया।मिली जानकारी के अनुसार मृत महिला बोरियों प्रखंड के भजूवाई सोगले टोला निवासी लाड़गा मुर्मू की 28 वर्षीय पुत्री मयबिटि मुर्मू है।घटना के संबंध मे मृत महिला मयबिटि मुर्मू के पिता लाड़गा मुर्मू ने बताया कि मेरी पुत्री मयबिटि मुर्मू का विवाह लगभग 15 वर्ष पूर्व गोड्डा जिले के बोआरीजोर प्रखंड के बरमसिया गांव निवासी गोरू हेम्ब्रम के साथ हुई थी।उन्होंने बताया कि दो वर्ष पूर्व मेरी पुत्री व दामाद के बीच तलाक हो गया था।तब से मेरी पुत्री हमारे साथ रह रही है।मृत महिला का एक पुत्र 12 वर्षीय मनोज एवं दो पुत्री 14 वर्षीय सोनाली व 13 वर्षीय तालाबिटि है.उन्होने बता कि मेरी पुत्री मोती सुबोल नामक व्यक्ति के पुत्र के साथ बात करती थी।परिजनो ने मयबिटि मुर्मू की हत्या किये जाने की आशंका जताई है।वही बोरियों थाना पुलिस ने महिला के शव को पुलिस अभिरक्षा मे पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया।पुलिस मामले की छानबीन मे जुट गई।

सीएसपी से पैसा निकालने की बात कहकर घर से निकली थी मृतिका

मयबिटि मुर्मू मृतिका के पिता लाड़गा मुर्मू बताया कि मेरी पुत्री मयबिटि मुर्मू शुक्रवार को दोपहर 12 बजे सीएसपी से पैसा निकालने की बात कहकर घर से निकली थी.लेकिन शाम तक घर वापस नही आई.तो हमलोगो ने उसकी खोजबीन शुरू कर दिया.आज सोमवार की सुबह मोती पहाड़ी के मिट्टी खदान के पास उनका शव मिला.शव फुला हुआ था।

शव के 10 गज की दुरी पर मिला अंडरवियर गमछा व पायजामा

बोरियों के मोती पहाड़ी के मिट्टी खदान के पास बरामद मयबिटि मुर्मू के शव के 10 गज की दुरी से बोरियो पुलिस ने कथा रंग का अंडरवियर,काला रंग का गमछा व पायजामा जप्त किया है.पुलिस तीनो चीज को जप्त कर मामले की जांच प्रारंभ कर दिया है।

सरस्वती माता ओंकार व भारत माता के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित

साहिबगंज: विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज के वंदना कक्ष में साहिबगंज विभाग सह प्रमुख रमेश कुमार प्रभारी प्रधानाचार्य किरण कुमारी गुप्ता ने सरस्वती माता ओंकार

व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन पुष्प अर्पित किया।तत्पश्चात रमेश कुमार व सभी आचार्य बंधु भगिनी ने सरस्वती वंदना ओंकार का पाठ गायत्री मंत्र का पाठ भारत माता की स्तुति शांति मंत्र का पाठ किया।विद्यालय के आचार्यों को संबोधित करते हुए रमेश कुमार ने बताया कि पांचों केंद्रीय आधारभूत विषय को पंचकोशीय शिक्षा के साथ जोड़ कर अध्यापन करने की बात कही।उन्होंने सभी आचार्य बंधुओं को शारीरिक का अभ्यास कराया।बैठक में विद्यालय के सभी आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित थे।

जंगल में लकड़ी चुनने गई युवती से सामूहिक दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पलामू: जिले के पांडु थाना क्षेत्र में लकड़ी चुने गई एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। 19 वर्षीय युवती पांडु के इलाके में जंगल में लकड़ी चुनने गई थी, इसी क्रम में पांच युवकों ने उसका अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई। घटना के बाद युवती ने जानकारी स्थानीय ग्रामीणों को दी। बाद में लड़की को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया। लड़की के लिखित आवेदन के आधार पर पांच आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। दो आरोपियों को लड़की पहचानती है, बाकी के तीन आरोपियों को नहीं पहचानती है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी सोनू सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

पांडू की थाना प्रभारी सौरभ कुमार ने बताया कि युवती जंगल में लकड़ी चुनने गई थी, इस दौरान उसके साथ दुष्कर्म की घटना हुई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और जेल भेज दिया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इधर पांडू थाना क्षेत्र में ही एक अलग घटनाक्रम में एक युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। युवक और युवती स्कूल के वक्त से ही एक दूसरे को जानते थे। युवती के आवेदन के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है और न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

ब्रेकअप की खबरों के बीच प्रियंका ने साझा की पार्टी फोटो

टीवी एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता के ब्रेकअप की खबर

टीवी सीरियल की एक मशहूर एक्ट्रेस प्रियंका चाहर और अंकित गुप्ता लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों अकसर साथ में नजर आते थे। कुछ दिन पहले इनके ब्रेकअप की खबर सामने आई। इस बात का इनके फैंस को काफी बुरा लगा है। इन खबरों के बीच ही प्रियंका चाहर ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, इसमें वह एक कॉन्सर्ट में दिख रही हैं, दोस्तों संग पार्टी कर रही हैं, खूब मस्ती कर रही हैं।

प्रियंका ने जिबली ट्रेंड में साझा की तस्वीरें

प्रियंका चाहर ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें जिबली आर्ट ट्रेंड को भी फॉलो किया है। इन दिनों लोग चैट जीपीटी के जरिए अपनी तस्वीरों को जिबली आर्ट स्टाइल में बदल रहे हैं। जिबली अंदाज में बनीं तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। प्रियंका चाहर ने भी कोल्डप्ले कॉन्सर्ट की पुरानी तस्वीरों को जिबली आर्ट में बदलकर इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इन तस्वीरों में वह अपने दोस्तों संग काफी खुश नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को प्रियंका के फैंस ने भी लाइक किया है। साथ ही कुछ यूजर्स ने लिखा है कि प्रियंका जिबली तस्वीरों में बहुत प्यारी लग रही हैं।

केबीसी के अगले सीजन की तैयारियां शुरू, बिग बी ने दी जानकारी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने खुलासा किया कि कौन बनेगा करोड़पति के अगले सीजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं और पहला कदम प्रोमो है। अभिनेता ने अपने ब्लॉग पर लिखा, काम ही व्यक्ति के भाग्य का निर्धारक है और अगले सीजन के लिए शो की तैयारियां पूरी गंभीरता से शुरू हो गई हैं, इसलिए पहला कदम रजिस्ट्रेशन के लिए आमंत्रण का प्रोमो होगा। उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट पर तीन तस्वीरें भी साझा कीं। एक तस्वीर में वह सोफे पर लेटे हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद उन्होंने बताया कि किस तरह वह फिल्म या सीरीज देखते हुए पूरी तरह तल्लीन हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि क्या यह सभी के साथ होता है या सिर्फ मेरे साथ होता है। जब हम कोई फिल्म या टीवी सीरीज देखते हैं, तो उसमें तल्लीनता का प्रतिशत इतना बड़ा होता है कि कुछ समय बाद आप फिल्म के किरदार की तरह बनने और व्यवहार करने लगते हैं।

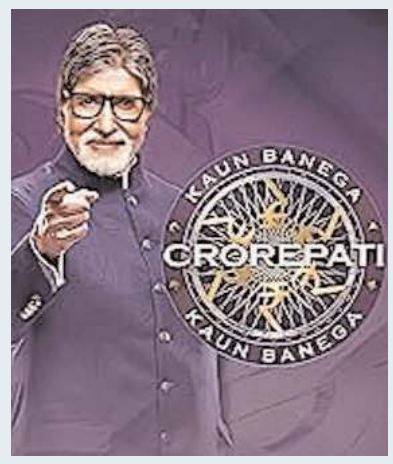

अभिनेता ने अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स, जिन्हें वह प्यार से अपना विस्तृत परिवार कहते हैं, उन्हें चैत्र सुखलदी, गुड़ी पड़वा, उगादि और ईद उल फितर की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि इस शुभ अवसर की बधाई सभी को खुशी और आनंद प्रदान करने वाली हो। सऊदी के कुछ हिस्सों में चांद देखा गया है और इस त्यौहार के दिन की शुभकामनाएं। इन सभी उत्सवों के संगम में ऐसी शानदार भावनाएं हैं जो पूरी मानवता में फैलती हैं। हम सभी को अप्रतिबंधित एकजुटता की भावना देती हैं। मेगास्टार ने 24 मार्च को लोगों की जान बचाने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ हाथ मिलाया। इस सहयोग का उद्देश्य सड़क सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और पूरे देश में जिम्मेदार ड्राइविंग प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है। यह सहयोग मंत्रालय के चल रहे सड़क सुरक्षा अभियान का हिस्सा है, जिसमें बिग बी लोगों से सड़कों पर अधिक जागरूक और जिम्मेदार होने का आग्रह कर रहे हैं। यह अभियान यातायात नियमों के पालन के महत्व तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है।

दूसरी हीरोइनों से मुकाबले पर बोलीं- मेरा इससे लेना देना नहीं

रश्मिका मंदाना के जमीन पर नहीं पड़ रहे पांव !

रश्मिका मंदाना ने एनिमल और छावा के बाद अब सलमान खान की सिकंदर में काम किया है। उन्होंने इंडस्ट्री में मुकाबले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। सलमान का भी मानना है कि हर दिन खुद पर काम करना चाहिए, तभी शख्स ग्रो कर पाता है। जानिए एक्ट्रेस ने क्या जवाब दिया है। रश्मिका मंदाना इस समय बॉलीवुड में छाई हुई हैं। उनकी सलमान खान के साथ सिकंदर मूवी रिलीज हो गई है। ओपनिंग डे पर फैंस का क्रेजी रिएक्शन देखने को मिल रहा है। इस बीच रश्मिका ने इंडस्ट्री में अपने कॉम्पिटीशन को लेकर क्या कहा है, आइये जानते हैं। रश्मिका ने आगे कहा, मेरे फैसले मेरे अपने हैं, क्योंकि मेरी जर्नी अलग है। मैं कुर्ग से हूं। मैंने कन्नड़ से शुरुआत की और तमिल और हिंदी में आ गई। मैं अपने विकल्पों और उनसे होने वाले भविष्य की पूरी जिम्मेदारी लेती हूं।

सलमान ने बीच में टोका

रश्मिका ने इंडस्ट्री में कॉम्पिटीशन को लेकर कहा, इसलिए मुझे ऐसा लगता है कि जैसे ही आप कॉम्पिटीशन कहते हैं, मेरा उससे लेना-देना नहीं है, क्योंकि...। इससे पहले ही बीच में सलमान खान ने कहा, हर कोई अपना काम कर रहा है। कॉम्पिटीशन से ही आपका विकास होता है। आपको रोजाना खुद पर काम करना चाहिए।

जयपुर में प्रियंका चोपड़ा को मिला खास दोस्त, कराई मुलाकात

फिल्म अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा फिलहाल राजस्थान की राजधानी जयपुर में हैं। यहां उन्होंने अपने नए दोस्त से मुलाकात कराई। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कुछ झलकियां शेयर कीं। पहली तस्वीर एक इमारत के ऊपर से ली गई है, जिसमें रात की रोशनी में शहर जगमग दिखाई दे रहा है। कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा, भव्य, जयपुर, राजस्थान। इसके बाद उन्होंने एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है, मेरे बिस्तर से दृश्य, बहुत खूबसूरत। इसके बाद उन्होंने बगीचे में घूमते एक मोर का वीडियो साझा किया और प्रियंका ने यह कहकर उसका स्वागत किया, सुप्रभात दोस्त। अभिनेत्री ने गुलाबी शहर की अपनी यात्रा के बारे में ज्यादा नहीं बताया। प्रियंका ने 21 मार्च को पति निक जोनास के ब्रॉडवे म्यूजिकल द लास्ट फाइव इयर्स को देखने के बाद एक विशेष सोशल मीडिया पोस्ट किया। अपनी नाइट आउट की कुछ झलकियां साझा करते हुए, अभिनेत्री ने द लास्ट फाइव इयर्स टीम की सराहना करते हुए पोस्ट डाली। पिछले महीने, प्रियंका ने निक के ब्रॉडवे प्रोडक्शन द लास्ट फाइव इयर्स को देखने के लिए अपनी पहली थिएटर यात्रा की थी। इस दौरान दंपत्ति के साथ उनकी बेटी मालती भी मौजूद थीं। निक ने अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। एक तस्वीर में छोटी मालती निक के पोस्टर की ओर इशारा करती हुई नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीरों में थिएटर के बाहर शो के पोस्टर और होर्डिंग्स नजर आ रहे हैं। निक ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, द लास्ट फाइव इयर्स को तीन हफ्ते बाकी हैं। आज थिएटर जाने के लिए परिवार पहली बार साथ था और यह मेरे लिए खास था। प्रियंका के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वह एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी 29 में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ महेश बाबू भी हैं। यह एक रोमांच से भरपूर फिल्म है, जिसे विदेशी स्थानों पर फिल्माया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग ओडिशा में हो रही है।

क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी

शाई होप बने टी20 कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। ब्रैथवेट ने चार साल तक टीम का नेतृत्व किया। वहीं, शाई होप को वेस्टइंडीज टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने सोमवार को उक्त जानकारी दी। 32 वर्षीय ब्रैथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। दूसरी ओर, शाई होप, जो पहले से ही वनडे टीम के कप्तान हैं, अब रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम का नेतृत्व करेंगे। पॉवेल मई 2023 से टी20 टीम की कप्तानी कर रहे थे।

सीडब्ल्यूआई के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने बोर्ड के एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर जारी एक बयान में कहा, 'टीम के विकास और 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए शाई होप को कप्तान नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है।'

ब्रैथवेट के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत

ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने कई ऐतिहासिक जीत दर्ज कीं। पिछले साल, उनकी अगुवाई में टीम ने ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 27 वर्षों में पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। इसी साल पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में एक ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सीरीज बराबर करने का कारनामा किया, जो 34 वर्षों में पहली बार हुआ था।

उनकी कप्तानी में 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में जीत मिली, जबकि 2021 में कोविड-19 महामारी के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती थी।

कप्तानी छोड़ने का कारण

सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में कहा, 'ब्रैथवेट चाहते थे कि उनकी विदाई से पहले टीम को बदलाव का पर्याप्त समय मिले। इसलिए उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज से पहले इस्तीफा दिया, जिससे नई नेतृत्व टीम को खुद को स्थापित करने का मौका मिल सके।'

ब्रैथवेट अभी 98 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज उनके लिए खास होगी, क्योंकि वह अपने 100 टेस्ट पूरे करने के करीब हैं।

सीडब्ल्यूआई ने कहा, 'हम क्रेग ब्रैथवेट के योगदान और उनकी नेतृत्व क्षमता के लिए आभार व्यक्त करते हैं। जल्द ही नए टेस्ट कप्तान की घोषणा की जाएगी।'

वेस्टइंडीज का आगामी कार्यक्रम

वेस्टइंडीज जून-जुलाई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज खेलेगा, जो नए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरूआत होगी।.

रकुल प्रीत को पसंद है त्योहार पर सजना-संवरना, बताया क्या है पसंदीदा डिश

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने रविवार को गुड़ी पड़वा के मौके पर बताया कि यह उनके लिए नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का दिन है। सिंह ने यह भी बताया कि उनकी पसंदीदा डिश पूरन पोली है, जो खाकर उन्हें बहुत खुशी मिलती है। यह पूछे जाने पर कि गुड़ी पड़वा पर उनकी पसंदीदा डिश कौन सी है, रकुल ने कहा, ÷पूरन पोली, इसमें कोई शक नहीं ! यह मीठी, मुलायम और घर जैसा एहसास देती है। मैं बचपन से ही त्योहारों के दौरान इसका लुत्फ उठाती रही हूं और इसका हर निवाला मुझे उन खुशनुमा पारिवारिक पलों की याद दिलाता है। इसे इतने प्यार से बनाया जाता है कि आप खुद को रोक नहीं पाते ! रकुल ने बताया, ÷मेरे लिए गुड़ी पड़वा नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का दिन है। यह साल का वह समय है जब सब कुछ नया लगता है। इस दिन नई एनर्जी, उम्मीदें और उत्सव भी रहता है। मुझे यह पसंद है कि यह परिवारों को एक साथ लाता है, चाहे वह पूजा के लिए हो, अच्छे भोजन के लिए हो या फिर सिर्फ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए। यह खुशी के साथ बदलाव को अपनाने की याद दिलाता है ! अभिनेत्री को त्योहारों पर सजना-संवरना बहुत पसंद है। उन्होंने बताया, ÷गुड़ी पड़वा, साड़ी पहनने का बेहतरीन बहाना है। मैं आमतौर पर पीली या लाल रंग की साड़ी पहनती हूं, बिंदी, बड़े झुमके और बालों में ताजा गजरा लगाती हूं। त्योहारों के दिनों में भारतीय परिधान पहनने में कुछ खास बात होती है- इससे सब कुछ और ज्यादा उत्सवपूर्ण लगता है।

जैस्मिन पाओलिनी ने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद नाता तोड़ा

एजेंसी

रोम। इटली की टेनिस स्टार जैस्मिन पाओलिनी ने अपने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद अलग होने की घोषणा की है। 29 वर्षीय पाओलिनी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर यह जानकारी साझा की।

'10 अद्भुत सालों के बाद, मैं रेंजो फुरलान को उनके योगदान के लिए तहे दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं। उन्होंने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी,' पाओलिनी ने लिखा। फुरलान के मार्गदर्शन में पाओलिनी ने शानदार प्रगति की। 2024 में वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन की उपविजेता रहीं, पेरिस ओलंपिक में डबल्स स्वर्ण पदक जीता और इटली को बिली जीन किंग कप जीतने में मदद की। इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह दुनिया की नंबर चार खिलाड़ी बनीं। फुरलान को उनके बेहतरीन कोचिंग योगदान के लिए डब्ल्यूटीए कोच ऑफ द ईयर का सम्मान भी मिला।

पाओलिनी ने फुरलान के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, 'रेंजो मेरे लिए सिर्फ एक कोच ही नहीं, बल्कि मेरे व्यक्तित्व के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्ति रहे हैं। उनसे मिली सीख हमेशा मेरे साथ रहेगी। मैं उनके समर्पण, जुनून और मूल्यों के लिए उनकी बेहद सम्मान करती हूं।' हालांकि, 2025 सीजन में पाओलिनी का प्रदर्शन अब तक उतना प्रभावशाली नहीं रहा है। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में बाहर हो गईं और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से हार गईं।

फ्रेंच ओपन की शुरूआत 25 मई से हो रही है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या पाओलिनी अपने पूर्व कोच के बिना पिछली सफलता को दोहरा पाएंगी।

डॉ. मोहन यादव का सोनिया गांधी के शिक्षा नीति पर उठाए सवाल पर पलटवार

कहा-देश से माफी मांगें

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर उठाए गए सवालों पर पलटवार किया है। उन्होंने सोनिया गांधी के विचारों को उनके सीमीति ज्ञान का परिणाम बताया। उन्होंने कहा है कि सोनिया गांधी के दुर्भाग्यजनक विचार न ही उनके लिए और न ही उनकी पार्टी के लिए ठीक हैं, उन्हें इसके लिए तुरंत माफी मांगनी चाहिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार देररात सोशल मीडिया पर कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था पर सोनिया गांधी के विचार उनके सीमित ज्ञान का परिणाम हैं। कांग्रेस की सरकार में जो शिक्षा नीतियां आईं, वे देश की जड़ों से काटने वाली लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति का ही दूसरा रूप थीं, जिसने हमारे महापुरुषों को अपमानित कर, विदेशी आक्रांताओं को महिमामंडित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2020 में जो नई शिक्षा नीति आई, उसे मध्य प्रदेश ने सबसे पहले लागू किया। मैंने मुख्यमंत्री बनने के बाद सभी 55 जिलों में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज खोले, खेलों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाते हुए, संस्कृति और विरासत को शिक्षा से जोड़ा है। दरअसल, सोनिया गांधी ने एक अखबार में लेख के माध्यम से नई शिक्षा नीति पर सवाल उठाते हुए केन्द्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा है कि केंद्र सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अपने सिर्फ तीन कोर एजेंडे को लागू करने पर जुटी है। ये एजेंडे हैं केंद्रीकरण, व्यावसायीकरण और सांप्रदायिकरण। शिक्षा के क्षेत्र में इसके घातक परिणाम होंगे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी लेख पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सोनिया गांधी पर पलटवार किया है। डॉ. यादव ने सोनिया गांधी के इस लेख की कड़े शब्दों में निंदा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभवतः उन्होंने इस नीति को ठीक से पढ़ा ही नहीं। हमें अपने अतीत पर गर्व होना चाहिए। अगर कोई अतिशयोक्ति और सांप्रदायिक बातें करता है, तो वही असल में सांप्रदायिक है। अगर हम शिवाजी महाराज की तुलना अकबर या औरंगजेब से करते हैं, तो हमारी जड़ें शिवाजी से जुड़ी होनी चाहिए। हमें अपने देश के नागरिकों के प्रति भावना रखनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम देश में रहीम और रसखान जैसे कवियों का सम्मान करते हैं, क्योंकि वे भगवान कृष्ण के प्रति समर्पित थे। लेकिन कुछ शासकों, विशेष रूप से अंग्रेजों को भारत से कोई लगाव नहीं था। उन्होंने शिक्षा प्रणाली पर जोर देते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक मूल्यों को शिक्षा के माध्यम से बढ़ावा दिया जाना चाहिए। हमें अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिए और भविष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए। हमें उन सभी चीजों से दूर जाना चाहिए, जिन्होंने अतीत में हमारे देश को गुलाम बनाया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इन्हीं प्रयासों को शामिल किया गया है।

बिजली के तारों से गिद्ध टकराने से वन क्षेत्र में लगी आग

एजेंसी

चित्तौड़गढ़। जिले के जावदा-नीमड़ी क्षेत्र में सोमवार शाम को एक बड़ी घटना घटी, जब चोरड़ी की धार वन क्षेत्र में बिजली के तारों से एक गिद्ध टकरा गया। इस टकराव से हुई स्पार्किंग के कारण आग लग गई, जिसने तेजी से फैलते हुए वन क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें उठते ही आसपास के गांवों के लोग और वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। आग इतनी भीषण थी कि करीब 30 हेक्टेयर वन क्षेत्र की सूखी घास जलकर राख हो गई, जबकि छोटे पेड़-पौधे बुरी तरह झुलस गए। आग के कारण वन क्षेत्र के जीव-जंतुओं में भगदड़ मच गई। वन विभाग के कर्मचारियों और ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पानी के टैंकर मंगवाए और पेड़ों की हरी टहनियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। जावदा वन विभाग के रेंजर नारायण सिंह कच्छावा के नेतृत्व में शोभाराम गुर्जर, प्रभूलाल जाट, रामदयाल, बगदी राम, फूलचंद, विकास, शंकर लाल और धनराज सहित अन्य कर्मचारियों ने आग बुझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशासन ने वन क्षेत्र में सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने की बात कही है।

दार्जिलिंग पहाड़ियों के स्थायी समाधान पर दिल्ली में त्रिपक्षीय बैठक, भाजपा के 12 नेता होंगे शामिल

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 12 नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में होने वाली त्रिपक्षीय बैठक में शामिल होगा। केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई इस बैठक का उद्देश्य दार्जिलिंग, कर्सियांग और कालिम्पोंग पहाड़ियों के स्थायी राजनीतिक समाधान पर विचार-विमर्श करना है। यह बैठक दो अप्रैल को राष्ट्रीय राजधानी में होगी, जिसके लिए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य सोमवार दोपहर दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं।

प्रतिनिधिमंडल में 11 भाजपा विधायक और एक लोकसभा सांसद शामिल हैं। दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिष्ट के नेतृत्व में यह टीम बैठक में भाग लेगी। उनके साथ सिलीगुड़ी के विधायक और पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक डॉ. शंकर घोष भी शामिल होंगे।

इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल में दार्जिलिंग के विधायक नीरज जिंबा, फांसीदेवा से दुर्गा मुर्मू, माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी से आनंदमय बर्मन, नागरकट्टा से पुना भेंगरा, कालचीनी से विशाल लामा, डाबग्राम-फूलबाड़ी से शिखा चटर्जी, माथाभांगा से सुशील बर्मन, तूफानगंज से मालती राभा रॉय, मयनागुड़ी से कौशिक रॉय और गाजोल से चिन्मय देब बर्मन भी शामिल होंगे।

राजू बिष्ट ने इस बैठक को गैर-राजनीतिक बताते हुए कहा, 'संभवतः केंद्र सरकार के पास पहाड़ियों के विकास को लेकर कोई ठोस योजना है, इसी कारण यह त्रिपक्षीय बैठक बुलाई गई है। जो भी दल दार्जिलिंग पहाड़ियों के विकास के पक्ष में हैं, उन्हें इस बैठक में शामिल होना चाहिए।'

भाजपा विधायक डॉ. शंकर घोष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने उत्तर बंगाल के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन अभी और प्रयासों की जरूरत है।हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इस बैठक पर सवाल उठाए हैं। पार्टी के दार्जिलिंग हिल अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद सांता छेत्री ने कहा, 'हम इस बैठक की कोई जानकारी नहीं रखते। भाजपा हमेशा पहाड़ियों में राजनीति करती रही है, जबकि असली विकास पर ध्यान नहीं दिया गया। यह बैठक महज एक दिखावा है।'

ब्यावर में तेजाब फैक्ट्री से गैस लीक 40 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

ब्यावर। ब्यावर के बलाड़ क्षेत्र में सोमवार रात करीब 10 बजे तेजाब फैक्ट्री के गोदाम से नाइट्रोजन गैस लीक हो गई। गैस के असर से आसपास के लोगों की आंखों में जलन होने लगी और सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 40 से अधिक प्रभावित लोगों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। रात करीब 11 बजे गैस रिसाव पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत ने फैक्ट्री को सीज करने के आदेश दिए हैं और मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। वार्ड पार्षद हंसराज शर्मा ने बताया कि स्थानीय लोगों ने उन्हें गैस रिसाव की जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड और प्रशासन को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने मशक्कत कर गैस लीकेज पर नियंत्रण पाया।

एसडीएम दिव्यांश सिंह ने बताया कि नाइट्रोजन गैस के रिसाव से कोई जनहानि नहीं हुई है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। साथ ही, फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की जांच के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। गैस के संपर्क में आए अधिकतर लोगों को सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन की समस्या हुई, जिनका अस्पताल में उपचार जारी है।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में मोदी-ओली के बीच बैंकाक में होगी मुलाकात

काठमांडू। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में 4-5 अप्रैल को होने वाले बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बीच साइडलाइन मुलाकात का समय तय हो गया है। बैंकाक में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3 अप्रैल को वहां पहुंच रहे हैं जबकि नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली मंगलवार को ही काठमांडू से रवाना होने वाले हैं। बिम्सटेक से जुड़े सभी सदस्य देशों के राष्ट्र प्रमुखों के लिए थाईलैंड के प्रधानमंत्री के तरफ से 3 अप्रैल को राजकीय भोज का आयोजन किया गया है। यहां पर सभी के बीच अनौपचारिक मुलाकात होने वाली है। थाईलैंड में नेपाल के राजदूत धन बहादुर वली ने बताया कि नेपाल के प्रधानमंत्री ओली और भारत के प्रधानमंत्री मोदी के बीच 4 अप्रैल की सुबह साइडलाइन मुलाकात तय हुई है। उन्होंने बताया कि चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की बैंकाक यात्रा सिर्फ 24 घंटे के लिए है इसलिए उनकी व्यस्तता के कारण अंतिम समय में मुलाकात का समय आगे पीछे हो सकता है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से छह की मौत, तीन बच्चे भी शामिल

एजेंसी

कोलकाता। दक्षिण 24 परगना जिले के पाथरप्रतिमा में सोमवार रात एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। यह घटना रात करीब 10 बजे स्थानीय निवासी चंद्रनाथ बनिक के घर में हुई, जहां अवैध रूप से पटाखों का निर्माण हो रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाके की तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तो पूरा घर आग की लपटों में घिरा हुआ था। लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति काबू में नहीं आई। इसके बाद ढोलाहाट पुलिस स्टेशन की टीम और राज्य दमकल विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे। मंगलवार सुबह खबर लिखे जाने तक आग पूरी तरह बुझाई जा चुकी थी।

अब तक छह जले हुए शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। पाथरप्रतिमा विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस विधायक समीर जाना भी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्यों की निगरानी की। उन्होंने पुष्टि की कि अब तक छह शव बरामद किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों से अवैध पटाखा फैक्ट्रियों में विस्फोट की घटनाएं लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस साल फरवरी में नदिया जिले के कल्याणी में एक पटाखा फैक्ट्री में धमाके से चार लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हुए थे। 2023 में पूर्व मेदिनीपुर जिले के एगरा में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से नौ लोगों की जान चली गई थी। इसके अलावा, दक्षिण 24 परगना के बजबज और उत्तर 24 परगना के दत्तापुकुर में भी इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कई लोगों की मौत हुई थी। हर बार ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासन सख्त कार्रवाई की चेतावनी देता है, पुलिस कुछ समय तक छापेमारी करती है, लेकिन जल्द ही यह अभियान ठंडे बस्ते में चला जाता है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत जबरदस्त गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाजार खुलते ही खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी। इस खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही शेयर बाजार ने रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बढ़ने लगा, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट का रुख बन गया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड, हीरो मोटोकॉर्प, जोमैटो, ओएनजीसी और सिप्ला के शेयर 3.46 प्रतिशत लेकर 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर श्रीराम फाइनेंस, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर 1.59 प्रतिशत से लेकर 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 1,826 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,442 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 384 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 17 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 532.34 अंक टूट कर 76,882.58 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से यह सूचकांक फिसल कर 76,775.79 अंक तक चला गया, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी। इस लिवाली के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी करके हरे निशान में 77,487.05 अंक तक पहुंचने में सफलता हासिल कर ली। बाजार की ये मजबूती अधिक देर तक टिक नहीं सकी, क्योंकि बिकवालों ने एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू कर दी। बिकवाली के कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 357.65 अंक की गिरावट के साथ 77,057.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 178.25 अंक की कमजोरी के साथ 23,341.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से इस सूचकांक ने पहले आधे घंटे के कारोबार में ही हरे निशान में 23,565.15 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल कर ली, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक दोबारा लाल निशान में लुढ़क गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 67.20 अंक टूट कर 23,452.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 191.51 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,414.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 72.60 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,519.35 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

भारत-अमेरिका का संयुक्त सैन्य अभ्यास आज से

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका आज से बंगाल की खाड़ी में संयुक्त रूप से सैन्य अभ्यास प्रारंभ करेंगे। इसमें दोनों देशों की सेनाओं के तीनों अंग एक साथ अभ्यास 'टाइगर ट्रायम्फ' की शुरूआत करेंगे। इस सैन्य अभ्यास का उद्देश्य संकट के समय मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) और संकट की स्थितियों के लिए सैन्य अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाने पर होगा। विशाखापट्टनम और काकीनाड़ा में होने वाले इस अभ्यास से आकस्मिक संकट के दौरान भारतीय और अमेरिकी संयुक्त कार्य बलों (जेटीएफ) के बीच तेजी से और सुचारू समन्वय स्थापित हो सकेगा।टाइगर ट्रायम्फ का चौथा संस्करण रक्षा मंत्रालय के अनुसार द्विपक्षीय त्रि-सेवा भारत-अमेरिका मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ का चौथा संस्करण 01 से 13 अप्रैल तक पूर्वी समुद्र तट पर होगा। आईएनएस जलाश्व पर 01 अप्रैल को संयुक्त ध्वज परेड और मीडिया इंटरेक्शन के साथ उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अभ्यास का उद्देश्य एचएडीआर संचालन करने के लिए अंतर-संचालन क्षमता विकसित करना और संयुक्त समन्वय केंद्र (सीसीसी) स्थापित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का निर्माण करना है। बंदरगाह चरण 07 अप्रैल तक अभ्यास में भारतीय नौसेना के जहाज जलाश्व, घड़ियाल, मुंबई और शक्ति अभ्यास में शामिल होंगे, जिन पर हेलीकॉप्टर और लैंडिंग क्राफ्ट, लंबी दूरी का समुद्री गश्ती विमान पी-8आई, 91 इन्फेंट्री ब्रिगेड और 12 मेक इन्फेंट्री बटालियन के सेना के जवान, वायुसेना के सी-130 विमान और एम आई-17 हेलीकॉप्टर रैपिड एक्शन मेडिकल टीम के साथ मौजूद रहेंगे। अमेरिकी पक्ष का प्रतिनिधित्व अमेरिकी नौसेना के जहाज कॉमस्टॉक और राल्फ जॉनसन करेंगे, जिन पर अमेरिकी मरीन डिवीजन के जवान मौजूद रहेंगे।अभ्यास का बंदरगाह चरण 07 अप्रैल तक विशाखापट्टनम में होगा, जिसमें दोनों पक्षों के प्रतिभागी प्रशिक्षण यात्राओं, विषय वस्तु विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, खेल आयोजनों और सामाजिक मेलजोल में भी भाग लेंगे। इसके बाद होगा समुद्री चरण बंदरगाह चरण पूरा होने पर सैनिकों के साथ जहाज समुद्री चरण के लिए रवाना होंगे और काकीनाडा के तट पर समुद्री, जलस्थलीय और एचएडीआर संचालन करेंगे। अभ्यास के दौरान भारतीय सेना और अमेरिकी मरीन काकीनाडा नेवल एन्क्लेव में एक संयुक्त कमान और नियंत्रण केंद्र स्थापित करेंगे। भारतीय वायु सेना की आरएएमटी और अमेरिकी नौसेना की चिकित्सा टीम चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एक संयुक्त चिकित्सा शिविर भी स्थापित करेगी। अभ्यास का समापन 13 अप्रैल को विशाखापट्टनम में अमेरिकी नौसेना के जहाज कॉमस्टॉक पर एक समारोह के साथ होगा।

बलरामपुर में हाथी ने पति-पत्नी पर किया हमला, दंपति बुरी तरह घायल

बलरामपुर। रामानुजगंज फॉरेस्ट रेंज अंतर्गत ग्राम फुलवार के छतवा सर्किल में हाथी के हमले से दोनों पति पत्नी घायल हो गए है। गेहूं की फसल काटने के दौरान हाथी ने हमला कर दिया। जिसमें हाथी ने महिला के एक झटके में हाथ को उखाड़ डाला। जबकि पति की कमर में चोट आई है। वन विभाग के द्वारा दोनों को रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया है। वन विभाग के द्वारा इलाज के लिए 50 हजार रुपये की तत्कालीन सहायता राशि मुहैया कराई गई है। रामानुजगंज वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार बीते शाम को रामानुजगंज फॉरेस्ट रेंज के छतवा सर्किल के ग्राम फुलवार में गेहूं की फसल काटने के दौरान शाम करीब 6.30 से 7 बजे के बीच हाथी ने अस्मीना बीबी और उस्मान अहमद के ऊपर हमला कर दिया। जिसमें दोनों पति-पत्नी घायल हो गए। हमले में उस्मान के कमर में चोट आई है। जबकि अस्मीना बीबी के हाथ को गजराज ने एक झटके में उखाड़ डाला है। सूचना पर पहुंची वन विभाग ने दोनों को आनन-फानन में रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आई। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया है। वहीं वन विभाग के द्वारा इलाज के लिए 50 हजार रुपये तत्कालीन सहयोग राशि मुहैया कराई गई है।

मध्य प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आज से लागू होगी शराबबंदी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा को अमल में लाते हुए राज्य शासन द्वारा मध्य प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों एवं ग्राम पंचायतों में आज (एक अप्रैल) से शराबबंदी लागू कर दी गई है। इनमें एक नगर निगम, छह नगर पालिका, छह नगर परिषद और छह ग्राम पंचायतें शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नशामुक्ति की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। जिन प्रमुख पवित्र नगरों में शराबबंदी लागू की जा रही है, उनमें बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन, प्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी का उद्गम अमरकंटक, महेश्वर, ओरछा रामराजा मंदिर क्षेत्र, ओंकारेश्वर, मंडला में सतधारा क्षेत्र, मुलताई में ताप्ती उद्गम क्षेत्र, पीतांबरा देवीपीठ दतिया, जबलपुर भेड़ाघाट क्षेत्र, चित्रकूट, मैहर, सलकनपुर, सांची, मंडलेश्वर, वान्द्रावान, खजुराहो, नलखेड़ा, पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र मंदसौर, बरमान घाट और पन्ना शामिल हैं। आज से इन सभी क्षेत्र में पूर्ण शराब बंदी रहेगी।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर से सक्रिय 13 माओवादी गिरफ्तार

बीजापुर /रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सोमवार शाम अलग-अलग थाना क्षेत्र से एक लाख रुपये के इनामी सहित 13 सक्रिय माओवादी को सुरक्षा बल के जवानों ने गिरफ्तार किया है। बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के टेकमेटला गांव के पास जंगल से सात नक्सलियों को जबकि बासागुड़ा थाना क्षेत्र से छह नक्सलियों को पकड़ने का दावा किया गया है।बीजापुर के डीएसपी घनश्याम कामदे ने बताया कि गिरफ्तार किए गए नक्सली साल 2022 के आईईडी ब्लास्ट की घटना में शामिल थे। इस नक्सल वारदात में एक सीआरपीफ जवान घायल हो गया था। अन्य नक्सली पिछले साल अक्टूबर में यहां अलग-अलग स्थानों पर दो नागरिकों की हत्या में शामिल थे।थाना उसूर क्षेत्रान्तर्गत पुलिस पार्टी पर आईईडी विस्फोट में शामिल सात माओवादी को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से विस्फोटक जब्त किया गया। इस कार्रवाई में थाना उसूर, कोबरा 201, 205, 206, 210 एवं सीआरपीएफ196 बटालियन की संयुक्त टीम शामिल रही। गिरफ्तार नक्सलियों में बामन माड़वी (गलगम आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य), सोढ़ी हिड़मा (मारूड़बाका आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सेक्शन कमाण्डर),बारसे अंदा (गलगम आरपीसी सीएनएम सदस्य), बारसे हड़मा (गलगम आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य),देवेन्द्र रवा (गलगम आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य), इरपा अर्जुन (संघम सदस्य), सुक्का ओयाम (मारूड़बाका आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य) शामिल है।पकड़े गए माओवादियों के कब्जे से विस्फोटक, टिफिन बम, कार्डेक्स वायर और इलेक्ट्रिक वायर बरामद किया गया है। यह सभी नक्सली 29 नवंबर 2022 को आईईडी विस्फोट की घटना में शामिल थे,जिसमें एक सीआरपीएफ जवान घायल हुआ था। वहीं थाना बासागुड़ा एवं कोबरा 210 ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ग्राम पुतकेल के ग्रामीण और मारूड़बाका के ग्रामीण की हत्या में शामिल 6 माओवादियों को गिरफ्तार किया है। बासागुड़ा थाना क्षेत्र में की गई कार्रवाई में गिरफ्तार नक्सलियों में 28 वर्षीय कोसा ऊर्फ जागेश कुंजाम (गलगम आरपीसी डीएकेएमएस अध्यक्ष), 22 वर्षीय कोसा माड़वी ऊर्फ बोल्ली (गलगम आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य), 22 वर्षीय बण्डी माडवी ऊर्फ राजेश (गलगम आरपीसी सीएनएम सदस्य), 32 वर्षीय देवा मुचाकी (ग्राम टेकमेटला डीएकेएमएस उपाध्यक्ष), 28 वर्षीय माड़वी जोगा,22 वर्षीय देवा मुचाकी (गलगम आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य) शामिल है।पकड़े गये सभी माओवादी 29 अक्टूबर वर्ष 2024 को ग्रामीण दिनेश पुजारी की हत्या में शामिल थे। इसके अलावा नक्सली 19 अक्टूबर को माओवादी थाना बासागुड़ा क्षेत्रान्तर्गत मारूड़बाका पीडीएस दुकान के संचालक तिरूपति भण्डारी की हत्या में शामिल थे।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के पांच उग्रवादी गिरफ्तार

इम्फाल। मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन केसीपी-नोयोन समूह के पांच सक्रिय सदस्यों को इम्फाल ईस्ट और इम्फाल वेस्ट जिलों के विभिन्न क्षेत्रों से गिरफ्तार किया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि ये सभी उगाही और धमकी देने की गतिविधियों में संलिप्त थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान खोइसनाम सनाजाओबा सिंह (27), खुरई निंगथौबुंग लीकाई, पोरोंपट थाना, इम्फाल ईस्ट, खोइनाजाम रॉबर्टसन सिंह (24), चिंगमेइरोंग मनींग लीकाई, इम्फाल वेस्ट, सोउबम रोहित सिंह (23), सोइबम लीकाई, अयंगपल्ली रोड, इम्फाल ईस्ट, लइशांगथेम नाओबी सिंह (33), लांगोल गेम विलेज, जोन-क्क़, इम्फाल वेस्ट तथा खाइदम नोंगपोकनगंबा मैतेई (25), लामलाई मायाई लीकाई, इम्फाल ईस्ट के रूप में हुई है।

गुमला जिला में महारामनवमी महोत्सव का त्यौहार धूमधाम से मनाने की तैयारियां पूर्ण

संवाददाता

गुमला : गुमला में महा रामनवमी उत्सव त्योहार का एक अलग ही महत्व हैं, श्री राम जन्मभूमि अयोध्या और श्री राम भगवान के अनन्य भक्त वीर हनुमान की जन्मस्थली आंजन धाम (गुमला) की एक अलग पहचान और आन - बान - शान और सम्मान से जुड़ी हुई हैं , फलस्वरूप गुमला जिले में श्री राम जन्म महोत्सव का त्यौहार महारामनवमी उत्सव (त्योहार) काफी धूम धाम से मनाया जाता हैं, और यहां के

लोगों को यह घमंड हैं , की हम सभी गुमलावासी श्री वीर हनुमान के जन्मस्थली आंजन धाम (गुमला) में जन्म लेकर यहां निवास कर रहे हैं और हम धन्य हैं , गुमला जिला में महारामनवमी उत्सव त्योहार पर के अवसर पर गुमला जिला के सभी अनुमंडल , प्रखण्ड , गांव एवं मुहल्लों को विशेष रूप से सजाया संवारा गया हैं, साथ ही साथ जिला मुख्यालय को श्रीराम , लखन , जानकी, और वीर हनुमान एवं रामायण से संबंधित विभिन्न आकार प्रकार के कटाउट , रंग बिरंगी एलईडी लाइट एवं विधुत सज्जा से तैयारकी गई आकर्षक और भव्य आकृतियां लोगों को अपने ओर आकर्षित कर रही हैं, वहीं श्री राम पताका, महावीरी झंडा और भगवा ध्वज से पुरे जिजा मुख्यालय को पाट दिया गया हैं और तो और जिला मुख्यालय में दो स्थानों पर चैती दुर्गा पूजा स्थापित कर पुरे जिला मुख्यालय का माहौल भक्तिमय वातावरण में परिवर्तन हो चुका हैं, और मां दुर्गा की महाआरती, घंटा घड़ियाल , शंखनाद से उत्पन्न भक्ति में माहौल एवं माता दुर्गा से संबंधित भक्तिमय गीतों से और सनातन हिन्दूधर्मलम्बीयों द्वारा अपने अपने घरों में स्थापित चैत्र नवरात्रा मां जगदंबे दुर्गा , शक्ति पूजा और सुबह - सायं महाआरती , पूजा अर्चना के द्वारा हमारे मन-मस्तिष्क में उत्साह और उमंग का संचार , उत्पन्न कर पूरा माहौल भक्ति में हो चुका है, साथ ही साथ महारामनवमी महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, जिला प्रशासन के गुमला उपयुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं पुलिस प्रशासन के गुमला पुलिस कप्तान शंभू कुमार सिंह के द्वारा जिला मुख्यालय सहित जिले के समस्त थाना स्थित पर शांति समिति की बैठक में दोनों पक्षों द्वारा उठाए गए समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुयें सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और विशेषकर उक्त सामाजिक तत्वों को खुली चेतावनी दी गई है , जो माहौल खराब करने की मंशा रखते हैं , उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

गुमला में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद

गुमला : गुमला और आसपास के क्षेत्रों में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा ईद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर शहर के विभिन्न मस्जिदों हजारों कीक्षसंख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ईद की नमाज अदा की। इसके अलावा सिसई रोड स्थित ईदगाह में भी विशेष नमाज अदा की गई। नमाज अदा करने के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दिया। इसके अलावा इन्होंने काली पट्टी बांध कर केन्द्र सरकार के वक्फ बोर्ड संशोधन बिल का पुरजोर विरोध किया। ईद को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों को बैनर और रंग बिरंगी झालरों से सजाया गया था। गरीब ,यतीम और जरूरतमंदों को दिल खोलकर मदद दी गई।

उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने विकास कार्यों से जिला को बनाया बेहतर

ज्योति पाठक

पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के लोकप्रिय,कर्मठ एवं उपलब्धि साथ ही साथ जिला के अति सुदूर क्षेत्रों में स्वयं पहुंचकर लोगों के साथ जनसंवाद सुनने के साथ साथ उनकी पीड़ा और समस्या को जानने के पश्चात तत्क्षण निवारण से जिला की सशक्त पहचान पूरे राज्य में बनी है यही नहीं लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बेहतर ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने की जवाबदेही का निर्वहन तथा जिला के पांच विधानसभा क्षेत्रों में वर्ष 2019 की तुलना में 2024 विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत काफी बेहतर और उपलब्धि भरा रहा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर राज्य के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार के हाथों सम्मानित भी जिससे इस जिला का नाम गौरवान्वित हुआ और पूरे राज्य में पश्चिम सिंहभूम की साख बनी ।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी इस जिले में निरंतर कई बार आगमन हुआ है और मुख्यमंत्री ने इस जिला के उत्कृष्ट कार्य और जिला के बेहतर विकास को काफी सराहा है ।

इस प्रकार से कहा जा सकता है कि - उपायुक्त के रूप में कुलदीप चौधरी ने अपने पदस्थापना काल के पश्चात से बेहतर और भरपूर विकास गति दी है ऐसे उपायुक्त से राज्य और जिला दोनों गौरवान्वित होता है।

मनोहरपुर के युवक की ईरान में मौत परिजनों ने शव लाने के लिए लगाई गुहार

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर के तरतरा गांव निवासी रामनन्दन महतो के पुत्र अह?लाद नन्दन महतो की ईरान में मौत हो गई। अहलाद नन्दन महतो ईरान की शिपिंग कंपनी बीएनडी यात शिप मैनेजमेंट सर्विसेज में इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। पिता रामनन्दन महतो ने मनोहरपुर थाना व सांसद जोबा माझी को पत्र लिखकर पुत्र के शव को भारत लाने का आग्रह किया है। साथ ही मामले की जांच कराने की मांग की है। पिता ने बताया कि उनका पुत्र अह?लाद नन्दन महतो वर्ष 2024 में ईरान गया था। 28 मार्च को कंपनी के कर्मियों ने फोन कर बताया कि शिप के अंदर ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि चार दिन बाद भी पुत्र का शव अब तक भारत नहीं लाया गया है। इधर, सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर को पत्र लिखकर मामले की जांच करने व शव को भारत लाकर परिजनों को सौंपने का आग्रह किया है। इधर, समाजसेवी अमित महतो ने भी सोशल मीडिया के जरिए झारखंड व केन्द्र सरकार से शव को भारत लाने की व्यवस्था की अपील की है। साथ ही मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने का भी आग्रह किया है।

पेड़ से गिरकर किशोर गंभीर रूप से घायल, भर्ती

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र के बादुनासा गांव में सोमवार को ताड़ पेड़ से गिरकर एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, गांव का आयुष चाम्पिया घर के बगल में स्थित ताड़ के पेड़ पर चढ़कर ताड़ का फल तोड़ रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और जमीन पर गिरकर बेहोश हो गया। उसे गंभीर चोटें लगी हैं। परिजन आनन-फानन में उसे लेकर मनोहरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे। वहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल चाईबासा रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

महिला का अद्भुत साहस हमें इन पर है गर्व

बिनय मिश्रा

चक्रधरपुर में महिला का जबरदस्त साहस उस समय दिखाई पड़ा जब एक मोटरसाइकिल स्कॉर्पियो से जा टकराया और स्कॉर्पियो के नीचे आ गया इस दृश्य को देखने के लिए लोग इक्कठे हुए और उक्त घायल और चोटिल व्यक्ति को स्कॉर्पियो के नीचे से निकालने के बजाय वीडियो बनाने में मशगूल रहे उसी समय एक महिला सड़क से गुजर रही थी उसने लोगों को फटकार लगाते हुए कहा- कि मानवता और जान बचाने की पहल होनी चाहिए ना की वीडियो बनाने के लिए प्रयास होनी चाहिए उक्त महिला की हिम्मत की दाद देनी पड़ेगी उसने उक्त युवक को स्कॉर्पियो से निकालकर टोटो में बैठाकर अनुमंडल अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की।

आज का दृश्य यह बताने के लिए काफी है कि महिला का अद्भुत साहस के साथ मदद करने पर उसकी जितनी भी प्रशंसा और तारीफ की जाए वह कम है हमें ऐसी महिला से काफी कुछ सीखने को भी मिलता है। धन्य है शहर की यह बेटी जो युवक की जान बचाने के लिए पुरजोर तरीके से जुट गई और इलाज के लिए उसे अनुमंडल अस्पताल भी भिजवाया हालांकि इस घटना के पश्चात चक्रधरपुर के थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन और थाना की गाड़ी भी पहुंच गई और घायल युवक को अनुमंडल अस्पतालभिजवाने की व्यवस्था भी की।

सरस्वती विद्या मंदिर में शिक्षा की नई उड़ान के लिए कार्यशाला

संवाददाता

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय स्थित विद्या भारती झारखंड की योजना अनुसार सरस्वती विद्या मंदिर गुमला में बाल विकास को समर्पित त्रि दिवसीय आचार्य कार्यशाला का आज सफल समापन हुआ। समापन सत्र में स्थानीय प्रबंधन समिति के सचिव विजय बहादुर सिंह ने आचार्यों को संबोधित करते हुए कहा की तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यशाला में आपने जो मंथन किया है यह आने वाले समय में बच्चों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध हो । साथ ही आश्वस्त किया कि शैक्षणिक गतिविधि से संबंधित हर जरूरतों की हर प्रकार से पूर्ति की जाएगी। आचार्य बच्चों के शैक्षणिक संवर्धन के लिए पूरी तरह से संकल्पित होकर शैक्षणिक कार्य में भाग ले।समापन सत्र में विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव के अतिरिक्त कोषाध्यक्ष प्रभात कुमार दास, प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा तथा समिति सदस्य राजेश कुमार की गरिमामय उपस्थिति रही।

इससे पूर्व कार्यशाला का शुभारंभ 28 मार्च को सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। सह सचिव त्रिभुवन शर्मा ने बाल विकास, आचार्य विकास, समिति विकास पर चर्चा करते हुए बाल विकास के विभिन्न आयामों से अवगत करवाया ।

कार्यशाला के अंतिम दिन आचार्य सुदर्शन शर्मा ने ठअउ के विषय में जानकारी दी। वही आचार्य आशा कुमारी ने पंच पदी शिक्षण पद्धति की विस्तृत जानकारी दी तथा आचार्य संजीव कुमार दुबे ने ळछट द्वारा शिक्षण की उपयोगिता बताई। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति ने कार्यशाला में लिए गए निर्णयों के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए नए सत्र 2025- 26 में बच्चों की शिक्षा दीक्षा में अप्रैल के प्रथम दिवस से ही सक्रियता लाने की बात कही।

इसके पूर्व के प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा ने प्रतिदिन प्रत्येक सत्र में साल भर की शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के निमित्त कार्य योजना सुनिश्चित कराई। सत्र आरंभ से लेकर के मार्च 2026 के परीक्षा फल के बीच शैक्षणिक कार्यशाला अभिभावक गोष्ठी ,मातृ सम्मेलन ,नाना-नानी दादा-दादी सम्मेलन, प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता , प्रांतीय एवं क्षेत्रीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता सहित विद्यालय स्तरीय एवं संकुल स्तरीय प्रतियोगिताओं संस्कृति ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा में विविध विद्यालयों की सहभागिता ,समर्पण पखवारा में अधिकतम समर्पण का संकल्प, सहित नई शिक्षा नीति के अनुरूप बच्चों को शैक्षणिक लाभ पहुंचाने संबंधी विषयों का प्रतिपादन किया गया।

ओपन राष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप में जगदीश सिंह को स्वर्ण पदक

जय प्रकाश अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, सुंदरगढ़ योगासन खेल संघ एवम मार्शल आर्ट अकादमी राउरकेला द्वारा संयुक्त रूप से 29 और 30 मार्च 2025 को राउरकेला, ओडिशा में आयोजित प्रथम ओपन राष्ट्रीय योगासन खेल चैंपियनशिप 2024-25 में डिवाइन योगा अकेडमी झारखंड के जगदीश सिंह को ग्रैंड मास्टर कैटेगरी में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ । इसके साथ ही जगदीश सिंह को उत्कृष्ट कोच और जज के रूप में भी सम्मानित किया गया।

सीनियर बी ग्रुप में शत्रुघन कुमार को चौथा प्रदीप कुम्भकार को पांचवा और मनोज उराँव को छठा स्थान प्राप्त हुआ।

डिवाइन योगा अकेडमी की डायरेक्टर डॉ परिणीता सिंह ने टीम का उत्साहवर्धन करते हुए अच्छे भविष्य की कामना की।

ज्ञात हो कि डिवाइन योगा अकेडमी झारखंड की तरफ से जगदीश सिंह, शत्रुघन कुमार, प्रदीप कुम्भकार, संदीप ठाकुर और अजय कुमार ने भाग लिया था।

उक्त प्रतियोगिता में पंजाब, हरियाणा गुजरात, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखंड के अलावा कई राज्यों ने भी विभिन्न कैटेगरी में भाग लिया।

जमशेदपुर में गर्मी ने बढ़ाया बिजली का बिल, 82 हजार उपभोक्ता सब्सिडी से बाहर

जमशेदपुर : जमशेदपुर में गर्मी ने बढ़ाया बिजली का बिल, 82 हजार उपभोक्ता सब्सिडी से बाहर

कोल्हान में गर्मी बढ़ते ही बिजली की खपत में तेजी आ गई है, जिससे 200 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में 30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जमशेदपुर एरिया बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, अब 2।75 लाख में से लगभग 82,500 उपभोक्ता इस श्रेणी से बाहर हो चुके हैं।

मार्च के अंत से ही झारखंड में तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंचने लगा है। इससे पंखे, कूलर और एयर कंडीशनर का उपयोग बढ़ गया है, जिससे उपभोक्ताओं की बिजली खपत 200 यूनिट से अधिक होने लगी है। नतीजतन, कम बिजली खपत वाले उपभोक्ताओं की संख्या में गिरावट आई है।

जेबीएनएल के अनुसार,200 यूनिट तक खपत करने वाले उपभोक्ताओं को सब्सिडी का लाभ मिलता है,लेकिन गर्मी में अधिक बिजली खर्च होने के कारण,कई उपभोक्ता अब उच्च स्लैब में पहुंच गए हैं,जिससे उनका बिजली बिल बढ़ने की संभावना है।

कोल्हान में इस समय बिजली की मांग औसतन 320 मेगावाट तक पहुंच गई है,जबकि सर्दियों में यह 250-270 मेगावाट के बीच रहती थी। जेबीएनएल अधिकारियों के अनुसार,आने वाले दिनों में बिजली की मांग और बढ़ सकती है।

पीक आवर्स में शाम 6-10 बजे तक कम चलाएं एसी, सोलर पैनल या इन्वर्टर से बिजली बचाएं, 5-स्टार रेटेड उपकरणों से 30 प्रतिशत तक बचत, खिड़कियों पर हीट-रिफ्लेक्टिव फिल्म चिपकाएं। बिजली विभाग की सब्सिडी कैलकुलेटर ऐप से चेक करें अपना स्लैब।

महावीर झंडा विसर्जन जुलुस की सेवा में तैनात होगी रेड क्रॉस

जमशेदपुर : महावीर झंडा के विसर्जन शोभा यात्रा में श्रद्धालुओं को प्राथमिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए रेड क्रॉस सोसाईटी की तीन टीम एंबुलेंस के साथ जमशेदपुर के बिष्टूपुर बोधनवाला घाट, साकची गोलचक्कर व प्रशासन पदाधिकारियों के साथ जिला नियंत्रण कक्ष (पुलिस कंट्रोल रूम) में तैनात रहेगी ताकि सूचना पर कहीं भी तत्काल पहुंच सके। रेड क्रॉस के श्याम कुमार ने यह जानकारी दी। दूसरी ओर, सिविल सर्जन ने भी जिला स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर, एएनएम और पारा मेडिकल कर्मचारियों की टीम बनाई है, जबकि अन्य संस्थाएं भी महावीर झंडा विसर्जन जुलूस में सेवा कार्य से शिविर लगाती है।

पश्चिम सिंहभूम में सुरक्षा बलों ने ध्वस्त किया नक्सली डंप, हथियार और गोला-बारूद बरामद

संवाददाता

चाईबासा: पश्चिम सिंहभूम जिले में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन के दौरान टोन्टो थाना क्षेत्र के वनग्राम दिरीबुरू के समीप जंगल पहाड़ी क्षेत्र में एक नक्सल डंप को सुरक्षा बलों के द्वारा ध्वस्त किया गया है। मौके से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद किया गया। इसकी पुष्टि पश्चिम सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने की है।

नक्सलियों के खिलाफ संयुक्त अभियान में सफलता : एसपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछू, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र के सारंडा

जंगल में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है। सूचना मिलने के बाद चाईबासा पुलिस, कोबरा 203 बटालियन, 209 बटालियन, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ की 26 बटालियन, 60 बटालियन, 134 बटालियन, 174 बटालियन, 193 बटालियन, 197 बटालियन की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा था।

नक्सली डंप से ये सामान बरामद : इसी क्रम में सुरक्षा बलों को सूचना मिली कि नक्सलियों के हथियार और गोला-बारूद जंगली पहाड़ी क्षेत्र ने कही छुपाकर रखे गए हैं। जानकारी मिलने के बाद 29 मार्च से लगातार टोन्टो थाना क्षेत्र के वनग्राम सरजामबुरू, दिरीबुरू के आसपास जंगल पहाड़ी क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया गया था। इस क्रम में सोमवार को एक नक्सल डंप को सुरक्षा बलों के द्वारा ध्वस्त किया गया। साथ ही उक्त नक्सल डंप से एक 7।62 एलएमजी की मैगजीन, 75 पीस वेल्डिंग रॉड, 4 पीस सिरिंज, एक बंडल वेल्क्रो, एक कटर, एक साइकिल फ्रेम, 7 पीस बोतल (थर्मल), 3 बोतल पोटेशियम परमैग्नाइट, पोटेशियम क्लोराइड-12 बोतल, एथिलीन डायमाइन 11 बोतल और अन्य दैनिक उपयोग के सामान जब्त किए गए हैं। गौरतलब हो कि वर्ष 2022 से लगातार गोइलकेरा थानान्तर्गत ग्राम कुईड़ा, छोटा कुईड़ा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोन्टो थानान्तर्गत ग्राम हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चल रहा है।

यज्ञ के लिए कलश लेकर निकली महिलाओं पर पथराव, कोडरमा में तनाव

कोडरमा : कोडरमा में एक बार फिर धार्मिक जुलूस को निशाना बनाकर तनाव पैदा करने की कोशिश की गई है। कोडरमा के चेचाई में होने वाले यज्ञ को लेकर भिक्षा के सात गांव के भ्रमण पर निकली महिलाओं के जत्थे पर छतरबर में पथराव किया गया है। मामला मंगलवार सुबह करीब 9 बजे की है।

घटना के बाद थोड़ी देर के लिए इलाके में तनाव का माहौल रहा। लेकिन पुलिस के पहुंचते ही माहौल शांतिपूर्ण हो गया। पुलिस फिलहाल कैंप कर रही है। कई थानों के प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं।

इसकी सूचना मिलने पर मौके पर एसडीपीओ अनिल सिंह, डीएसपी मुख्यालय रतिभान सिंह, सीओ होल्डर सेठी,कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार,तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार,डोमचांच थाना प्रभारी ओम प्रकाश सहित बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद हैं। ड्रोन कैमरे से पूरे छतरबर में हर घर के छत की निगरानी की जा रही है।

ग्रामीणों के मुताबिक चेचाई देवी मंडप से कलश लेकर 50- 60 की महिलाओं जिसमे 10- 11 महिलाएं कलश लेकर भिक्षा के लिए क्षेत्र में निकली थी। जाने के कर्म में छतरबर आई ,जहां पत्थरबाजी की घटना हुई। इसमें एक कलश फूट गया। 50- 60 महिलाएं थी। घटना के बाद दूसरी इलाके के लिए महिलाएं निकल गई। यज्ञ 9 से 17 तक होना है।

महिलाओं को चेचाई, छतरबर, करमा, झुमरी, करियावर मैसौंधा, पुतो, कानूनगोबीघा होते हुए वापस चेचाई पहुंची। पत्थरबाजी किसने की,यह पुलिस पता लगाने में जुटी हुई है। एसडीओ रिया सिंह भी 11।44 बजे मौके पर पहुंचीं।

पेयजल समस्या को लेकर बागबेड़ा वासियों ने किया जगह-जगह प्रदर्शन

जमशेदपुर : पेयजल की समस्या से जूझ रहे बागबेड़ा के लोगों ने मंगलवार को क्षेत्र में जगह-जगह प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन रामनगर हनुमान मंदिर प्रांगण, गांधीनगर शाखा मैदान, पश्तो नगर मंदिर प्रांगण और हरहरगुट्टू तालाब के पास किया गया। दरअसल वे बागबेड़ा महानगर विकास समिति की अगुवाई में जिला मुख्यालय पर पहुंचकर प्रदर्शन करने वाले थे। परंतु सरहुल के अवकाश की जानकारी मिलने के बाद समिति के अध्यक्ष सुबोध झा ने सभी को प्रदर्शन स्थगित किये जाने की जानकारी दी। इसके कारण जहां से उन्हें निकलना था, वहीं पर प्रदर्शन कर अपने-अपने घरों को लौट गये। अब तय हुआ है कि गुरुवार या शुक्रवार को समाहरणालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। बागबेड़ा महानगर विकास समिति बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना को धरातल पर उतरने, बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने और फिलहाल टैंकर से जलापूर्ति किये जाने की मांग को लेकर आंदोलित है।